



Kareena Kapoor Turns Poo From...

SHARE

सेंसेक्स : 73,466.39
निफ्टी : 22,302.50

SARAFI

सोना : 6,785
चांदी : 88.05

(नोट : सोना 22 केरट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रांची में कार से 45.90 लाख रुपये बरामद

RANCHI : रांची से हजारीबाग की तरफ जा रही कार से 45.90 लाख रुपये बरामद हुआ है। बुधवार की शाम जिले के ओरमांडी थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा के पास वाहन चेकिंग के दौरान रुपये की बरामदगी हुई है। लोकसभा चुनाव को लेकर वेकपोस्ट बनाकर वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी दौरान रांची की तरफ से आ रही एक इमोबा कार को पुलिस ने रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 45.90 लाख रुपये बरामद हुये हैं। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

नस्लवादी टिप्पणी पर धिरे सैम पित्रोदा का इस्तीफा

NEW DELHI : इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नस्लवादी टिप्पणी करने के बाद से वह विपक्ष के निशाने पर थे। कांग्रेस पार्टी ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया था। पित्रोदा के बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। पार्टी महासचिव जयशंकर रमेश ने कहा है कि पार्टी नेतृत्व ने पित्रोदा के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, इससे पित्रोदा ने अपनी मज्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पिछले दिनों 'द स्टेट्समैन' के साथ एक साक्षात्कार में सैम पित्रोदा ने देश की विविधता का एक लोकतांत्रिक उदाहरण पेश करते हुए कहा था, हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकते हैं- जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग शायद गोरे जैसे दिखते हैं और दक्षिण के लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं।

भारत-नेपाल सीमा से दो महिलाएं सहित 3 अरेस्ट

SILLIGURI : सिलीगुड़ी के खोरीबाड़ी के पानीटकी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर तेनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने बीती रात दो अमेरिकी महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। बुधवार को गिरफ्तार तीनों को आगे की कार्रवाई के लिए खोरीबाड़ी थाने की पुलिस को सौंप दिया गया है। गिरफ्तार अमेरिकी महिलाओं का नाम नेयना काला पोडेल और यूनिस बिस्वा है, जबकि गिरफ्तार एक अन्य युवक का नाम नीमा तामांग है। वह अलीपुरद्वार के कालोनी का निवासी है। एसएसबी सूत्रों के मुताबिक, नेयना अपनी भतीजी यूनिस के साथ नीमा से शादी करने के लिए अमेरिका से भारत आई थीं। नेयना ने 13 अप्रैल को नीमा से शादी की और 21 अप्रैल को हनीमून पर नेपाल चली गईं। नेपाल से भारत में दोबारा प्रवेश करने से पहले तीनों को पानीटकी में भारत-नेपाल सीमा पर चेकिंग के लिए मंगलवार रात को रोका। इस दौरान दोनों अमेरिकी महिलाओं के पास से फर्जी आधार कार्ड बरामद हुआ।

सचिवालय में घुसी ईडी की टीम, खंगाले कागजात, 2 लाख कैश बरामद

मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव को लेकर पहुंची थी एजेंसी

CRIME REPORTER RANCHI :

रांची में मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर आलम को मंगलवार को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों को छह दिनों की रिमांड पर भेज दिया। बुधवार को ईडी की टीम संजीव लाल के साथ सचिवालय पहुंची। एफपीपी भवन में मौजूद ग्रामीण विकास विभाग के जिस कमरे में संजीव लाल बैठते थे, वहाँ कागजात को खंगाला गया। इस दौरान ईडी की टीम को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के कार्यालय के ड्रावर

- कार्यालय के ड्रावर से 500 के नोटों के बंडल मिले
- कर्मचारियों को छोड़ किसी दूसरे को बिल्डिंग में प्रवेश करने पर थी रोक
- कर्मियों से भी बंद कमरे में की गई पूछताछ



संजीव कुमार लाल के ऑफिस का दरवाजा व इनस्टेट में बरामद रुपये।

(दराज) से 500 के नोटों के बंडल मिले हैं। बरामद नोट दो लाख बताये जा रहे हैं। साथ ही कई कागजात मिले हैं। थोड़ी देर

बाद ईडी के ज्वाइंट डायरेक्टर कपिल राज समेत कुछ अधिकारी सचिवालय से निकल गए। हालांकि, दूसरे अधिकारी मौजूद थे

और कागजात को खंगाल रहे थे। सचिवालय कर्मचारियों को छोड़ किसी दूसरे को बिल्डिंग में प्रवेश पर रोक लगाई गई थी।

संचिका पर सीएम चम्पाई सोरेन की मंजूरी मिलने के बाद संजीव को किया जाएगा सस्पेंड

इस मामले को लेकर कार्रवाई से संबंधित फाइल कार्मिक विभाग ने बढ़ाई

अब तक मिल रही जानकारी के अनुसार, मंत्री के आप्त सचिव संजीव लाल को सस्पेंड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्रवाई से संबंधित फाइल कार्मिक विभाग ने बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की सहमति मिलते ही उन्हें सस्पेंड करने संबंधित लेटर जारी कर दिया जाएगा। बता दें कि संजीव लाल झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।

योजनाओं पर फिक्स था 15 फीसद कमीशन

रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी में बरामद करोड़ों रूपए के कैश के बाद कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ रही हैं। मनी ट्रांजेक्शन के मामले में पूरा ग्रामीण विकास विभाग लगा हुआ है। इस विभाग के मंत्री आलमगीर आलम हैं। विभाग में ग्रामीण विकास की योजनाओं पर 15 फीसदी तक का कमीशन फिक्स था। इतना ही नहीं कमीशन की वसूली से लेकर बंटवारे तक में एक सिस्टम काम कर रहा था। यह तमाम जानकारी ईडी ने अपने रिमांड पिटीशन में स्पेशल कोर्ट को बताया है। सोमवार को हुई छापेमारी और मिली जानकारी के आधार पर ईडी ने मंगलवार को भी छापेमारी की। यह छापेमारी चार जगहों पर चली। जिसमें से टेकेदार राजीव सिंह के सिंहमोड स्थित आवास से 1.50 करोड़ और ग्रामीण विकास विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर अजय मुंडा के भाई संजय मुंडा के आवास से 2.5 लाख रुपये बरामद किए गए।

तेलंगाना के करीमनगर में नरेंद्र मोदी ने कही डील होने की बात

शहजादे ने अब अडाणी-अंबानी को बंद किया गाली देना : पीएम

AGENCY KARIMNAGAR :

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार अडाणी-अंबानी का जिफ्र करतें हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी और अडाणी, लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी-अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है। पीएम ने कहा- मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूँ कि उन्होंने अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है?। काला धन के बोरे भर के रूपए मोरे हैं। कांग्रेस पार्टी को चुनाव के लिए उन उद्योगपतियों से कितना माल मिला? क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है? पीएम ने वारंगल की रैली में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा- अमेरिका में

राहुल गांधी को किसने दिया है चमड़ी के रंग का खेल खेलने का हक



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते तेलंगाना के भाजपा नेता।

कांग्रेस देश की समस्याओं की जननी पीएम ने कहा- हमारा पूरा देश संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में हमारे लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी एसटी-एससी और दलितों के लिए आरक्षण का अधिकार छीना चाहती है और मुस्लिम समुदाय को देना चाहती है। कल्याण न तो उनका हक्कोण है और न ही एजेंडा। कांग्रेस केवल अपना वोट बैंक सुरक्षित रखना चाहती है। यह ग्रह पार्टी पूरी तरह से तुष्टिकरण की नीति में डूबी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा- तेलंगाना के लोगों ने पिछले 10 साल में मेरा काम देखा है।

अब वक्त बदल रहा, दोस्त दोस्त ना रहा : मल्लिकार्जुन खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- वक्त बदल रहा है। दोस्त दोस्त ना रहा। थर्ड फेज की वोटिंग के बाद आज मोदी जी अपने मित्रों पर ही हमलावर हो गए हैं। इससे पता चल रहा है कि मोदी जी की कुर्सी डगमाग रही है। यही परिणाम के असली रुझान हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बोले- तीन चरणों के चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी इतने बौखला गए हैं कि अडाणी-अंबानी के खिलाफ बोलने लगे। सच्चाई ये है कि 3 अप्रैल से अब तक राहुल गांधी जी 103 बार अडाणी और 30 बार अंबानी का नाम ले चुके हैं। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर राहुल की संसद की वो तस्वीर शेयर की जिसमें वो मोदी और



थर्ड फेज की वोटिंग समाप्त होने के बाद मोदी जी अपने मित्रों पर ही हो गए हमलावर

अडाणी का फोटो दिखा रहे हैं। कांग्रेस ने लिखा- सवाल ऐसे करो कि भ्रष्टाचारी भी सफाई देने लगे। सवाल अब भी वही है- मोदी का अडाणी से रिश्ता क्या है।

जैसे लगते हैं। पीएम ने कहा- आज मैं बहुत गुस्से में हूँ।

करते हैं। उन्होंने कहा है कि दक्षिण भारत के लोग अफ्रीकन

जैसे लगते हैं। पीएम ने कहा- आज मैं बहुत गुस्से में हूँ।

बेल मिलने पर भी नहीं कर पाएंगे सीएम का काम

केजरीवाल की जमानत पर 'सुप्रीम' फैसला कल

AGENCY NEW DELHI :

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा, वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकता है। सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली। दो न्यायाधीशों की पीठ ने लोकसभा चुनाव में

(सैम पित्रोदा) हैं। वे कांग्रेस पार्टी में थर्ड अंपावर की तरह काम

झारखंड में 14 मई तक होगी रिमझिम बारिश

RANCHI : झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। शहर के नजारे भी बदल गए हैं। मौसम सुहाना हो गया है। 14 मई तक रिमझिम बारिश भी होगी। मौसम विभाग के अनुसार 14 मई तक आंधी चलने के साथ वजपात होने की आशंका भी जताई गई है। इसका प्रभाव राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा। राज्य में अगले तीन से चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम केंद्र के अनुसार 9 से 11 मई तक राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वजपात होने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। राज्य में 12 मई को कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वजपात होने की आशंका है।

सीएम ने दी स्वीकृति, रवींद्र कुमार सिंह, रविशंकर और मुकुंद दास हो चुके हैं रिटायर सात अफसरों के खिलाफ चलेगी विभागीय कार्यवाही

PHOTON NEWS RANCHI :

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के सात अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने की स्वीकृति दे दी है। इनमें तीन अधिकारी रवींद्र कुमार सिंह, रविशंकर और मुकुंद दास रिटायर हो चुके हैं। इन अफसरों के खिलाफ रिटायर आइएएस अधिकारी कमल जॉन लकड़ा को जांच संचालन पदाधिकारी बनाया गया है।

इन अफसरों पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

रवींद्र कुमार सिंह (रिटायर)

पदस्थापन काल में अलग-अलग मामलों में गड़बड़ी करने का आरोप



तत्कालीन भू-अर्जन पदाधिकारी चतरा, जयदीप तिग्गा तत्कालीन जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य एवं असेनिनक आपूर्ति निगम, पश्चिम

डीसी ने सरकार को भेजी थी रिपोर्ट, अब कार्मिक विभाग ने जारी कर दिया आदेश

इन सात अफसरों पर उनके पदस्थापन काल में अलग-अलग मामलों पर गड़बड़ी करने के आरोप हैं। जिन जगहों में ये अफसर पदस्थापित थे, उन जिलों के डीसी ने प्रपत्र क गठित कर सरकार को रिपोर्ट भेजी थी, जिसकी प्रथम हदथा जांच में आरोप प्रमाणित पाये गये। इसके बाद पूरे मामले को सीएम के पास भेजा गया था। सीएम की स्वीकृति के बाद कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

सिंहभूम, रविशंकर (रिटायर) अनुमंडल पदाधिकारी पाकुड़, संदीप बस्की, लखी राम बास्के, दास (रिटायर) बीडीओ गुमला, तत्कालीन विशेष भू-अर्जन जितेंद्र कुमार देव, तत्कालीन पदाधिकारी मानगो।

ऑपरेशन अभिनयपथ जंगलों के आसपास भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने भरी उड़ान

आग बुझाने के लिए एयरफोर्स ने संभाला मोर्चा

AGENCY DEHRADUN :

कई दिनों से उत्तराखंड के जंगल भीषण आग से घेरे रहे हैं। स्थिति यह है कि आग बुझाने के लिए वायुसेना का सहारा लिया जा रहा है। ऐसे में अब ऑपरेशन 'अभिनयपथ' अब आग को नियंत्रित करेगा। बुधवार को पौड़ी के आसपास जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने उड़ान भरना शुरू कर दिया है। वायुसेना ने उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण श्रीनगर से पौड़ी के जंगलों में लगी आग बुझाने की जिम्मेदारी ले ली है। दरअसल, भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों को मंगलवार को ही उड़ान भरना था, लेकिन चारों तरफ फैला हुआ वायुसेना के लिए मुसीबत बन रहा था। बुधवार से एमआई-17 हेलीकॉप्टर उड़ान भर चुके हैं। वायु सेना के सामने धुआं और बड़े-बड़े बिजली के टावरों में झूलते हुए तार समस्या बनकर उभर रहे हैं।

- धुआं और बड़े-बड़े बिजली के टावरों पर झूलते हुए तार पैदा कर रहे समस्या
- वनाग्नि से अब तक पांच लोगों की हो चुकी है मौत, चार हुए हैं घायल



अब तक उठाए कदमों पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में सुप्रीम कोर्ट को बुधवार को अवगत कराया। राज्य सरकार ने कहा कि वन्यजीव क्षेत्र के 0.1 प्रतिशत हिस्से में आग लगी थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से उचित उपाय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने सरकार से कहा, वलाउड सीडिंग, बारिश पर निर्भरता इसका समाधान नहीं है, आपको निवारक उपाय करने होंगे। उत्तराखंड सरकार ने कोर्ट में कहा, नवंबर 2023 से आज तक जंगल में आग की 398 घटनाएं हुई हैं और सभी मानव निर्मित हैं। 350 आपराधिक मामले दर्ज, 62 व्यक्तियों को नामजद किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में जंगल की आग से संबंधित मामले पर 15 मई की सुनवाई तय की।

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड एकेडमिक कारोर्सिल (जैक) द्वारा आयोजित आकांक्षा परीक्षा का रिजल्ट बुधवार की शाम जारी कर दिया गया। इस परीक्षा में कुल 521 बच्चों ने सफलता हासिल की। परीक्षा में कुल 47,716 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिसमें से इंजीनियरिंग के लिए 19,771, मेडिकल के लिए 23,855 और क्लैट के लिए 4090 परीक्षार्थी शामिल थे। जैक अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो रिजल्ट जारी करते हुए बताया कि आकांक्षा परीक्षा में अतिप्रतिभा के अगले चरण की परीक्षा में होगा। मालूम हो कि आर्थिक रूप से



कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मेडिकल- इंजीनियरिंग संस्थानों में एडमिशन की तैयारी के लिए सरकार द्वारा आकांक्षा कोचिंग कराया जाते हैं। इसमें प्रवेश परीक्षा के आधार राज्य और जिला स्तर पर छात्र-छात्राओं का एडमिशन लिया जाता है। आकांक्षा की अगली परीक्षा जल्द ही आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रारंभिक परीक्षा के चयनित 521 बच्चों को बैठने का मौका मिलेगा।

एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...



अगर आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में घूमने के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं। यहां के नजारे आपको किसी स्वर्ण लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थलों से आपको रुबरु कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती

खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजुबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं। जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएंगे, तो फ्लोटिंग और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। क्रीक के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है। अनुपम हैं प्राकृतिक नजारे— नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है। ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुफ्त उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइटी माइल बीच पर गीताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप



हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटर्नटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

मंडावा- अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

बूंदी - राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेंगे। आप यहां पर तारामाढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

शेखावाटी एरिया- आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रही है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेखावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेंगे।

रणकपुर- रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर- राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

खिमसर- दरअसल, यह गांवनुमा एक रिजॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

कंभलगढ़- कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द जिले में स्थित एक दुर्ग है। हालांकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

भैंसरोड़गढ़- कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।



सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढ़ते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही जाहिर सी बात है। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चीजों का सेवन हानिकारक साबित हो सकता है।

तला हुआ खाना - ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

नॉन वेज - अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सही नहीं है क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता है और उसे पचने में काफी समय लगता है और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता है। इसलिए ध्यान रहे कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

दूध अंडा - दूध और अंडा काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता है तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहे कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हो और आपका सफर अच्छे से बीते।

केले के चिप्स - सफर के दौरान आप सूखे केले के चिप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लैक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैव्लिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्याउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी- 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फेंच कोलोनीयल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ल रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटारी, सत्संगा, बेकर स्टीड बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

वेनिस- इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रीटी पैलेस, कार्नवल पैलेस और मोरेको जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्टोरेंट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

बोरा बोरा- बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटैयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्टोरेंट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मीलस लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

पेरिस- खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फेस्टैसी में देखना चाहते हैं तो पेरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रिसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोर्टे डेम या आइकोनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स विलक करवाएं। पेरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

कॉटसवोल्ड्स- इंग्लैंड का कॉटसवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉटसवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

साढ़े दस कट्टा जमीन को लेकर जमकर चले लाठी-डंडे 10 घायल

पुर्णिया। में जमीनी विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई है। मारपीट में दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर बांस-बल्ले से हमला कर दिया। जमीनी विवाद में हुई इस मारपीट का लाइव वीडियो भी सामने आया है। करीब 18 सेकेंड के दो वीडियो में चीखती आवाजें और लाठी-डंडे भांजते देखा जा सकता है। मारपीट में दोनों पक्षों को मिलाकर 10 लोग घायल हैं। मारपीट में एक पक्ष के 8 लोगों को गंभीर जबकि दूसरे पक्ष के दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मारपीट में गंभीर रूप से



घायल हुए लोगों को इलाज के लिए जीएमसीच में एडमिट कराया गया है। घटना मधुबनी थाना क्षेत्र की है। घायल हुए लोगों में

मधुबनी थाना के महालदार टोली वार्ड 1 निवासी अरुण महलदार और उनकी पत्नी मुन्नी देवी, बेटी -प्रती कुमारी, सुमन कुमार,



गोविंद कुमार समेत 8 लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। जबकि दूसरे पक्ष से 2 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना की

जानकारी देते हुए घायल अरुण महलदार ने बताया कि महालदार टोली वार्ड संख्या 1 में उनकी साढ़े 10 कट्टा जमीन है। इसी जमीन को

लेकर पिछले 2 साल से विवाद चल रहा है। उनकी निजी जमीन पर पड़ोस के रहने वाले छगुरी महालदार, बिन्दा महालदार, मंगल महालदार, राजू महालदार, छोटे महालदार और उनके परिवार वाले जबरन जमीन हड़पना चाहते हैं। इस मामले में कई बार फैसला हुआ। ये फैसला उनके पक्ष में आया। इसके बाद भी वह आए दिन किसी ना किसी बात को लेकर पड़ोसी विवाद करते रहते हैं। छोटे महालदार का आरोप है कि उन्होंने गालीगलौज करते हुए भड़काया।

बांका में तिलक के दिन गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा परिवार वाले भी पीछे से आ गए



बांका। में विधवा के शादी करने पर गांव वालों ने प्रेमी के साथ बांधकर उसकी पिटाई कर दी। महिला दो बच्चों की मां है। प्रेमी कुंवारा है। दोनों के बीच एक साल से अफेयर चल रहा था। 1 साल पहले दोनों गांव से भागकर बेंगलुरु में रह रहे थे। वहीं पर दोनों ने शादी भी कर ली थी। 1 महीने पहले ये लोग अपने-अपने गांव लौट गए और अलग-अलग रहने लगे। जैसे ही दोनों की शादी की जानकारी गांव वालों को लगी, दोनों को बांधकर पिटाई कर दी। वीडियो मंगलवार का है। मामला बांका के कटोरिया प्रखंड अंतर्गत जयपुर थाना क्षेत्र के कोल्हासार पंचायत का है। महिला की पहचान पिंकी देवी (30) और प्रेमी कटोरिया थाना क्षेत्र के अरविन्द यादव (28) पिता नरेश यादव का बेटा है। दरअसल, प्रेमी

के घर वाले उसकी पहली शादी से अनजान उसकी किसी और लड़की से शादी करवाने वाले थे। सोमवार को प्रेमी के परिजन उसका तिलक करा रहे थे। इसी बीच लड़का महिला (अपनी पत्नी) से मिलने उसके घर जा पहुंचा। जब मंगलवार सुबह हुई तो प्रेमी अरविन्द यादव के घर वाले उसे खोजने के लिए जयपुर कोल्हासार पंचायत के पलनियां पहुंचे। वहां उसे प्रेमिका के घर में पाकर दोनों को रस्सी से बांधकर मारपीट की। इस दौरान कई घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा भी चला। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस प्रेमी जोड़े को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रेमिका के अनुसार वो प्रेमी अरविन्द यादव के साथ रहना चाहती है।

पटना में 25 करोड़ की नकली किताबें जब्त हुई थी डिमांड बढ़ी तो सप्लाई बंद

पटना। में इन दिनों नकली किताबों का कारोबार खूब बढ़ रहा है। पटना में 8 अप्रैल को भारी मात्रा में नकली किताबें बरामद हुई थी। यह कार्रवाई भारतीय भवन के शिकायत पर की गई थी। पुलिस ने प्रिंटिंग प्रेसों पर छापा मारा तो वहां अलग-अलग ब्रांड की नकली किताबें मिली। इनमें से सब से ज्यादा



सरकारी यानी सीबीएससी और

एनसीआईआरटी के किताबें थी। ये सभी किताबें बाजार में निकालने को तैयार ही थीं। ये सभी किताबें क्लास 3 से लेकर क्लास 8 तक की थीं। पुलिस ने सभी किताबों को जब्त कर लिया। पुलिस इन प्रिंटिंग प्रेसों पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल पुलिस किताबों के संबंधित प्रकाशकों को इसकी

सूचना दे रही है। पुलिस ने मौके से इन किताबों को छपवाने वाले राकेश कुमार से पूछताछ की और छोड़ दिया। इस प्रेसों में सीबीएससी और एनसीआईआरटी, भारतीय भवन, एस चांद, राजकमल समेत लगभग आधा दर्जन प्रकाशकों की किताबें छप रही थीं। लेबलर कटर के साथ साथ गोडाउन भी बना हुआ था।

बाहुबली अनंत सिंह की रेगुलर बेल पटना हाईकोर्ट से खारिज

पटना। हाईकोर्ट ने मोकामा के पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह की रेगुलर बेल की अर्जी को खारिज कर दिया है। जस्टिस एन के पांडेय की सिंगल बेंच ने अनंत सिंह के आपराधिक इतिहास को देखते हुए यह आदेश दिया है। कानूनी मामले के जानकार और पटना हाईकोर्ट के सीनियर वकील दीनू कुमार ने कहा है कि पैरोल और जमानत याचिका दोनों अलग-अलग चीज हैं। बेल खारिज होने का असर पैरोल पर नहीं होगा। पैरोल राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधा है। सुविधा का परमानेंट बेल के खारिज होने पर असर नहीं पड़ता। बता दें कि पूरा मामला आमर्स एक्ट से जुड़ा है। अनंत सिंह एके-47 रखने के केस



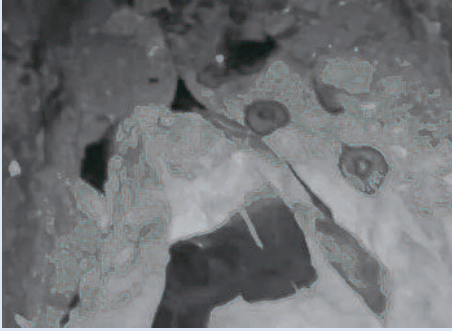
में पूर्व विधायक को 10 साल की सजा पटना की बेकर जेल में काट रहे हैं। अनंत सिंह पिछले रविवार सुबह पैरोल पर जेल से बाहर आए हैं। उन्हें 15 दिन की पैरोल मिली

है। जेल से बाहर आने के बाद अनंत सिंह का समर्थकों ने स्वागत किया है। बड़ी संख्या में उनके समर्थक पहुंचे और जेसीबी से फूलों की बारिश की। समर्थक शेर

बिहार जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। पटना से लेकर मोकामा के बीच भी कई जगहों पर स्वागत किया गया। इसी दौरान अपने समर्थकों से बात करते हुए उन्होंने ललन सिंह को लेकर बयान दिया। पारिवारिक बंटवारे को लेकर अनंत सिंह ने कोर्ट से पैरोल मांगी थी। 5 साल में पहली बार उन्हें पैरोल मिली है। अनंत सिंह के बाहर आने के दौरान जेल के बाहर और सुरक्षा के पुख्ता इंजाजाम किए गए थे। अनंत सिंह की पत्नी नीलम सिंह वर्तमान में मोकामा से विधायक हैं और फिलहाल एनडीए के साथ हैं। अनंत सिंह को उनके इलाके में लोग छोटे सरकार के नाम से जानते हैं। वो कभी नीतीश कुमार के बेहद खास हुआ करते थे।

महिला की सिर कटी लाश मिली शरीर पर नहीं थे कपड़े

जमुई। में महिला की सिर कटी लाश मिली है। आधे शरीर पर कपड़े नहीं थे। आशंका जताई जा रही है कि रेप के बाद उसकी हत्या की गई है। लोगों का कहना है कि कहीं और रेप कर के हत्या की गई है। पहचान छिपाने के लिए शव को पुल के नीचे लाकर फेंका गया है। महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस उसका सिर ढूँढने में जुटी है। मामला जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग का है। जहां मंगलवार देर रात अंबा गांव में पुल के नीचे ये शव मिला है। टाउन थाने की पुलिस ने शव को कब्जे ले लिया है। सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पुलिस को आसपास के लोगों और थाने से



महिला के बारे में जानकारी जुटा रही है। बताया जाता है कि मंगलवार को शाम अंबा गांव स्थित पुलिया के नीचे एक महिला का शव होने की जानकारी स्थानीय लोगों ने टाउन थाने की पुलिस को दी थी। बदवू आने से घटना की जानकारी लोगों को हुई थी। इसके

बाद पुलिस देर शाम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। साथ ही पुलिस उसके सिर का पता लगाने की कोशिश में जुट गई है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से शराब और पानी का बोटल भी मिली है। महिला का शव मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। शव देखने से

लग रहा है कि महिला की हत्या 2 से 3 दिन पहले हुई होगी। बताया जाता है कि शव अर्धनग्न अवस्था में मिलने के कारण स्थानीय लोगों को शक है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई हो। पूरे मामले को लेकर सदर एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार पहुंच गए थे। पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। जबकि टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि अंबा गांव स्थित पुलिया के नीचे से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

पटना के पुराने म्यूजियम में लगी आग



पटना। के कोतवाली थाना क्षेत्र के निमाणीधानी म्यूजियम में भीषण आग लग गई। चारों तरफ धुआं भर गया। इस वजह से अग्निशमन विभाग के कर्मियों को भी आग पर काबू पाने में मुश्किल आई। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंची तब जाकर डेढ़ घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वहीं, आग बुझाने के लिए शीशा तोड़ने और हाथ में लग जाने से दो

कर्म जख्मी हो गए। संरक्षित सामानों को भारी नुकसान पहुंचा है। अंदर ढेर सारी लकड़ी रखी गई थी। फाइबर के सामान भी रखे थे। अंदर में 12 से 13 मजदूर मौजूद थे। धुआं भरने के बाद मजदूर एक-एक कर के बाहर निकला गया। म्यूजियम के अंदर गंगा गैलरी को नुकसान पहुंचा है। वहीं, आईजी सुनील कुमार ने बताया कि बिल्डिंग अंदर कंस्ट्रक्शन है। आग बुझाने में मूर्तियों की वजह से कड़ी मशकत करनी पड़ी। म्यूजियम के डायरेक्टर राहुल कुमार ने कहा है कि पटना म्यूजियम में न्यू गैलरी का निर्माण हुआ है। प्रसाद ने बताया कि 11:42 में आग लगने की सूचना मिली थी।

नीट पेपर लीक माफिया ने पुलिस को हड़काया

पटना। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में पटना की शास्त्रीनगर थाने की पुलिस अब तक 13 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। चौकाने वाली बात यह कि नीट यूजी का प्रश्नपत्र पुराने परीक्षा माफिया ने ही लीक कराया है। जांच में यह बात सामने आई है कि नालंदा का संजीव सिंह उर्फ संजीव मुखिया, रॉकी, नीतीश और अमित आनंद ने नीट के करीब 25 अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले 4 मई की रात में ही प्रश्नपत्र और उत्तर रटवाया था। इन परीक्षाओं को रटवाने को उनके संबंधित परीक्षा केंद्र पर पहुंचा दिया गया। संजीव मुखिया का बेटा डॉ. शिव शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में जेल में बंद है। पुलिस ने नीट पेपर लीक मामले में सबसे पहले



सिकंदर यादवेंदु, अखिलेश और बिट्टु को गिरफ्तार किया। अखिलेश ने पुलिस से कहा कि बेटा आयुष बोर्ड कालोनी स्थित डीएवी स्कूल में परीक्षा दे रहा है। परीक्षा के बाद आयुष को हिरासत में लिया गया। आयुष ने पुलिस से कहा कि उसे शनिवार (4 मई) की खेमनीचक स्थित लर्न ब्यायज हॉस्टल एवं लर्न प्ले स्कूल ले जाया गया।

बागेश्वर धाम से बेटी को लाकर मोतिहारी में हत्या

मोतिहारी। में 27 अप्रैल को मिली लड़की (22) की संदिग्ध हालत में मौत का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, ये एक ऑनर किलिंग का मामला है। परिवार कुछ दिन पहले उसे मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम से लेकर आया था। घरवालों ने प्रेम-प्रसंग में उसकी हत्या की है। इस मामले में पुलिस ने मृतका के भाई, पिता और जीजा को आरोपी बनाया है। पहले आरोपियों की तरफ से बताया गया था कि युवती ने सुसाइड किया है। पुलिस ने सख्ती से इसकी जांच की तो आरोपियों ने पूरी कहानी बताई। तीनों आरोपियों ने कहा- हम लोग डर गए थे। फंसने के डर से उसे बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया था। लाश ऊपर ना आए इसलिए बोरी में ईंटें भी रखीं, लेकिन इसी ईंट से पुलिस ने पूरा केस सुलझाया। दरअसल,



बीजधरी ओपी क्षेत्र के सतरघाट पुल के पाया नंबर-13 के पास से 27 अप्रैल को एक बोरे से लड़की का शव बरामद किया गया था। उस

समय लड़की की पहचान नहीं हुई थी। अगले दिन यानी की 28 अप्रैल को केसरिया थाना के चौकीदारों ने उसकी पहचान की। बताया कि यह



वही लड़की है, जिसे हम लोग मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम से बरामद कर लाए थे। इसके बाद थाने में रखी फोटो से उसकी मिलान की गई। लड़की की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सुबैया गांव निवासी प्रधुमण दास की बेटी

संक्षिप्त डायरी

लालू बोले-तीसरा चरण बीजेपी के लिए कोढ़ में खुजली



पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सियासी बयानबाजी का दौरा जारी है। आरजेडी सुप्रिमो लालू यादव ने तीसरे चरण की वोटिंग के बाद सोशल मीडिया पर लिखा है तीसरा चरण बीजेपी के लिए कोढ़ में खुजली। इधर, लालू प्रसाद के मुसलमानों को आरक्षण वाले बयान पर सम्राट चौधरी ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि लालू कहते हैं मंडल कमीशन वो लेकर आए। उम्र के साथ याददाश्त भी कम हो रही है। जिस समय मंडल कमीशन आया, उस समय सरकार बहुमत में नहीं थी। बीजेपी ने मंडल कमीशन को समर्थन कर लागू करवाया था। बीजेपी के कारण मंडल कमीशन लागू हुआ। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि बीजेपी अगर समर्थन नहीं करती तो लालू प्रसाद मुख्यमंत्री नहीं बनते। आरजेडी सिर्फ झूठ का प्रचार करने में विश्वास रखती है। वहीं, तेजस्वी पर पलटवार करते हुए डिटी सीएम ने कहा कि लालू और तेजस्वी दोनों बीमार हो गए हैं। पहले दोनों ठीक तो हो जाए, इसके बाद बीजेपी से भिड़े। दरअसल, सम्राट चौधरी ने बुधवार को भाजपा मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। इस दौरान सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना में पहली बार किसी प्रधानमंत्री का रोड शो होने वाला है। रोड शो के जरिए बिहार भर को संदेश दिया जाएगा। पिछले 10 सालों में किए गए कामों का संदेश देंगे। रोड शो के जरिए देश भर के कामों की झलक दिखेगी। आरक्षण देने और विकास के कामों की झलक रोड शो में मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और RJD नेता तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री जान रहे हैं कि इस बार उनका जाना तय है और इस बार बिहार और पूरे देश की जनता तानाशाही सरकार को हटाना चाह रही है।

अशोक महतो बोले-मेरे सामने अनंत सिंह की औकात नहीं

मुंगेर। लोकसभा सीट पर 13 मई को वोटिंग होनी है। मुंगेर सीट पर सियासी बवाल भी मचा हुआ है। पूर्व विधायक अनंत सिंह के बाहर निकलने के बाद क्षेत्र में चहल-पहल भी तेज हो गई है। ऐसे में अब इस मामले पर राजद प्रत्याशी अनीता महतो के पति अशोक महतो का बयान सामने आया है। उन्होंने अनंत सिंह पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने



धमकी भरे लहजा में कहा कि हम शेर हैं। पिंजरे में नहीं रह सकते। हम फौलाद हैं। अगर कुछ हुआ तो आग लगा देंगे। कुछ करके तो देखें। मेरे सामने अनंत सिंह की औकात नहीं है। अशोक महतो कभी पैक नहीं हुआ था और न कभी पैक होगा। वह जनता के लिए काम करता रहेगा। वो जनता के सेवक है। आगे अशोक महतो ने कहा कि अनंत सिंह पैरोल पर बाहर आकर वोटों को धमका रहे हैं। हमारे साथ चलने वाले मुखिया और जिला परिषद को फोन कर धमकी दे रहे हैं। जनता हमारे साथ है। वे लोग हार के डर से बौखला रहे हैं। मुंगेर लोकसभा सीट हॉट-सीट बन गई है। यहाँ अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। पहले ललन सिंह का कई स्थानों पर विरोध हुआ। काले झंडे दिखाए गए। फिर पुलिस ने उन लोगों पर FIR गिरफ्तार कर लिया। अब अनंत सिंह पैरोल पर बाहर आए तो फिर राजनीति गर्म हो गई है। मुंगेर लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन समर्थित राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार अनीता महतो के पति अशोक महतो ने कहा कि अनंत सिंह चुनाव को प्रभावित करने के लिए पैरोल पर बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी जेल गया था। मुझे भी पैरोल मिला था। फिर भी ढाई महीने तक अंदर रोका गया था। मैं अपराधी था तो मुझे रोका गया, क्या वह अपराधी नहीं है? अशोक महतो ने कहा कि अनंत सिंह वोटों को डरा धमका रहे हैं। हमारे साथ चलने वाले मुखिया, पंचायत समिति सदस्य को वह फोन कर धमकी दे रहे हैं। वह पैरोल पर जमीन बंटवारे के लिए मापी करवाने नहीं बल्कि वोटों को वोट बंटवारे के लिए बाहर निकले हैं। वह क्षेत्र में घूम-घूम कर वोटों को डरा धमका रहे हैं। लेकिन उनकी नहीं चलेगी। मतदाता हमारे साथ है। वह लोग हार के डर से बौखला रहे हैं। इसलिए फोन कर लोगों को धमकाया जा रहा है। हमारे साथ चलने वाले जिला परिषद सदस्य को भी जबरदस्ती साथ चलने से रोका जा रहा है। यह सही नहीं है। अशोक महतो ने कहा कि जनता का मुँह हमारे साथ है। अनंत सिंह को मुझे पैक करने के लिए निकाला गया है, यह गलत है। उन्होंने धमकी भरे लहजे में कहा कि हम शेर हैं पिंजरे में नहीं रह सकते। हम फौलाद हैं अगर कुछ हुआ तो आग लगा देंगे। कुछ करके तो देखें। अशोक महतो कभी पैक नहीं हुआ था और न कभी पैक होगा। वह जनता के लिए काम करता रहेगा। वे जनता के सेवक हैं।

Multipronged strategy a must to curb data poisoning

DATA is a powerful weapon. It is a treasure trove of information. While data has been a driving force for civilisation in the 21st century, there has been an ever-growing trend of data reliance. In fact, data is the lifeblood of a marvel of the contemporary world — artificial intelligence (AI).

However, the training data of the AI models has become the Achilles' heel of this wonderful transformative technology. Tay, Microsoft's Twitter chatbot, is an early example of this. Tay's introduction on Twitter in 2016 was intended to aid in the development of her conversational abilities through human interactions. Tay was created to mimic a teenage girl but was removed from the platform within 24 hours for expressing racist, misogynistic and Nazi-loving ideas that she had picked up from other Twitter users. Tay is an early illustration of the potential dangers associated with training data issues. It is possible that a model's training data gets contaminated. A covert saboteur with significant ramifications has surfaced in the recent past: data poisoning. Adversaries can introduce biases, errors or unique vulnerabilities into the training dataset of an AI tool by adding, removing or altering certain data points. These vulnerabilities get manifested when the compromised model makes predictions or choices. An AI tool's output may thus become erroneous, discriminating or unsuitable if its dataset has been changed or distorted in any manner.

In the realm of AI innovation, data can play the role of a Trojan horse. Consider, for instance, that an AI model has been taught to identify suspicious emails or unusual behaviour on a corporate network. Successful data poisoning may make it possible for ransomware or phishing attempts to evade detection and get past spam and email filters. Similarly, accidents may arise from AI system errors in self-driving cars. Financial models distorted by biased data, medical algorithms misinterpreting distorted test results and facial recognition systems powered by biased datasets that greatly enhance the likelihood of falsely accusing members of a certain racial group of crimes are all at risk. These examples show how data poisoning can penetrate and skew the fundamentals of AI systems, leading to severe financial losses, reputational harm and moral ambiguities that undermine faith in technology. Scholars are debating the nature of various types of data poisoning and potential countermeasures. According to Google research from July last year on various types of threats to AI systems, an attacker only needs to control 0.01 per cent of a dataset to poison a model. And because the datasets being used usually contain millions of samples, it is difficult to identify this kind of attack.

Data poisoning as a defensive strategy is also garnering a lot of attention. Users are downloading Nightshade and Glaze, two freeware software programmes from the University of Chicago. While Glaze is a defensive tool that individual artists can use to defend themselves against style-mimicking attacks, Nightshade is an offensive tool that can be used to disrupt AI models that scrape their images as part of training data without permission. The University of Chicago's press department refers to Nightshade as the 'poison pill' because it modifies an image's pixels in a way that causes mayhem for computer vision while leaving the image intact for human eyes. By contaminating the practice data and by making some of the outputs of image-generating AI models useless — dogs turning into cats, cars turning into houses, and so on — Nightshade could harm subsequent generations of these models.

Trouble-torn Manipur needs an out-of-the-box solution

THE security situation in Manipur has become even worse a year after violence broke out. The only way out is for the principal stakeholders to come together and thrash out a way for immediate course correction. One must put into perspective three recent incidents in the state. Miscreants triggered an IED blast on a bridge on National Highway-2 in Kangpokpi district on April 24. The bridge connects Imphal with Nagaland's Dimapur. The highway is a major lifeline of the state and its severance has led to the stranding of over 100 trucks carrying essential supplies for the people of Manipur.

Two CRPF personnel were killed in an attack at Naranseina in Bishnupur district on April 27. A camp of the India Reserve Battalion (IRB) was located about 200 metres from the area where the CRPF men were billeted. The IRB personnel were primarily from the Meitei community. The CRPF personnel were reportedly in the process of vacating the camp and only a platoon had been left behind.

It is possible that the attackers wanted to target the Meitei members of the IRB; as the attack was carried out in the dead of night, they mistook the CRPF camp for the IRB one.

However, the target could actually have been the CRPF — a throwback to the United Liberation Front of Assam's (ULFA) modus operandi during the mid-1990s, when the insurgent group went on a spree of killing Hindi-speaking people of Assam. The ULFA was keen to attract the attention of New Delhi, which it was successful in doing. A slew of MPs from Uttar Pradesh and Bihar had descended on Assam to provide succour to their Hindi-speaking brethren. There was (and continues to be) a section of people among the Assamese population who are against outsiders setting up shop in that state. With regard to the Naranseina incident, lawlessness in Manipur has gone so deep that there are elements which are beginning to feel that New Delhi needs to be taught a lesson. It is important to note that Central paramilitary forces such as the CRPF and the BSF had not been targeted in the past.

The finger of suspicion for the IED explosion on the bridge and the attack on the CRPF camp was mainly pointed at Kuki militants. However, it could well have been anybody. In a state that has been careening out of control since May 3, 2023, almost every group has become militarised.

The third incident pertains to anarchy continuing under political patronage. Meira Paibis waylaid an Army Casspir vehicle after the column had



apprehended cadres of the Arambai Tenggol with illegal weapons. Hundreds of Meira Paibis surrounded the Casspir and were berating the soldiers. If the Army men had lost their composure, there could have been a bloodbath.

Assam has ushered in an era of peace as a result of well-honed teamwork. It is recommended that a Unified Command Structure (UCS) — as was the case in Assam — must be immediately formed for Manipur, Nagaland and south Arunachal Pradesh. It should be under the overall command of the General Officer Commanding of the Rangapahar-based 3 Corps. There must be one clear voice (naturally after due consultations) that should focus on strategy and ways and means for peace and normalcy to return.

Manipur is a house divided. The state police force is almost dysfunctional. It has abdicated its responsibility to a radical militia organisation which brooks no opposition. A DSP was picked up by the Arambai Tenggol, forcing some cops to lay down their arms. At this juncture, the police need leadership. Unfortunately, it is not going to emerge from within the force. The power over it has to be vested in a firm leader with strong organisational backing, such as the General Officer Commanding of 3 Corps. The Assam Rifles is doing a tremendous job, but it is being accused unjustly of being partisan. Residents of the Manipur valley had asked for its removal. The Armed Forces Special Powers

Act has been removed from many areas in Manipur, and one has witnessed the acts that non-state actors are perpetrating in the state. The Assam Rifles is already under the operational command of 3 Corps. But making it a part of the UCS would not only permit it to calibrate its operational moves with the Army, the Manipur Police and the Central paramilitary forces, but allow it greater manoeuvrability by way of robust intelligence gathering in consonance with other end users in the UCS. It is due to the overlapping issues that Manipur, Nagaland and south Arunachal are being clubbed. For instance, one cannot divorce the problem of valley-based insurgent groups' entry into Manipur with the help of the National Socialist Council of Nagaland-Isak-Muivah (NSCN-IM) from the manner in which the game will play out after the carving out of separate administrative zones. Similarly, the subterfuges in Tirap, Changlang and Longding districts of south Arunachal have to be seen in light of the support that the NSCN(IM) is receiving from the Eastern Naga National Government. The Indian state and its Army are powerful entities. They can face any challenge. The only step that New Delhi needs to take at this critical juncture is to empower its forces. The Army is capable of achieving the impossible. Manipur would be irrevocably lost if the present imbroglio is allowed to continue.

LAC standoff

Extinguish the suffocating fumes in Nuh

A resolution of the India-China border row remains elusive, even as the two countries have been locked in a military standoff along the Line of Actual Control (LAC) in eastern Ladakh for the past four years. During this period, there have been 21 rounds of military commander-level talks and 29 meetings of the Working Mechanism for Consultation and Coordination on India-China Border Affairs. The two sides have done well to complete the disengagement process at several friction points, but the deadlock over the Depsang plateau persists.

In an interview last week, Defence Minister Rajnath Singh said the talks were progressing well. He expressed optimism that there would be a positive outcome. However, recent meetings have not witnessed any breakthrough; both countries have only reiterated their commitment to maintaining peace and tranquillity on the ground and keeping the lines of communication open.



Beijing's troop buildup and infrastructure development along the LAC have not helped matters. This has left India with no option but to augment its military presence in the

border areas and develop infrastructure at a rapid pace in order to catch up with the Chinese. Even as the situation has remained stable but sensitive, as described by Army Chief Gen Manoj Pande, the shadow of the Galwan clash of June 2020 continues to loom large, keeping Indian and Chinese troops on their toes. Progress on the diplomatic front has been stymied by the inadequacy of the interaction between PM Narendra Modi and President Xi Jinping in recent years. Modi last visited China in 2018, while Xi has not travelled to India since the Mamallapuram summit of October 2019. The Chinese President also chose to skip the G20 summit hosted by New Delhi last year. The political leadership of the two nations needs to proactively engage with each other to reduce the trust deficit. This holds the key to resolving the border dispute and ending the prolonged standoff.

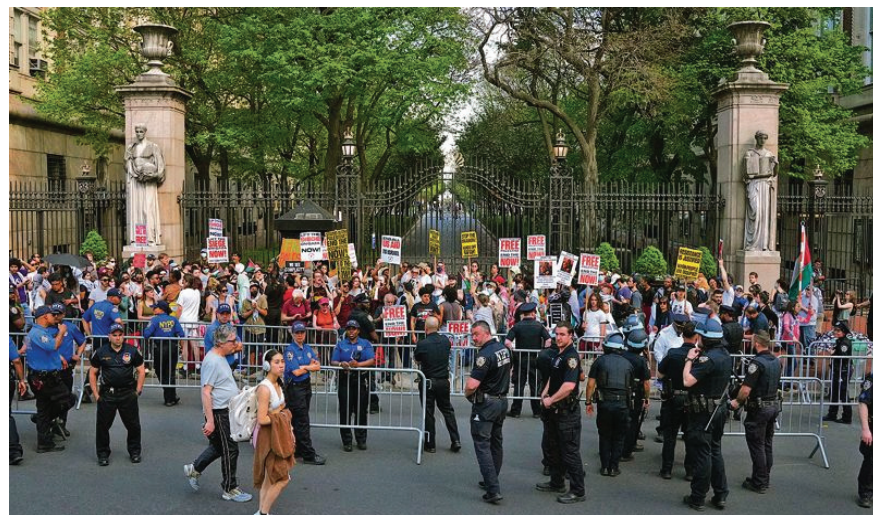
An overreaction to student protests

Prestigious American universities have floundered in dealing with the situation

THE growing intensity of pro-Palestine protests by students in the US has led to an aggressive crackdown by administrators and the police in the form of arrests, suspensions and class cancellations. The demonstrators, who set up encampments in over 120 universities and colleges across the US, have been galvanised by the humanitarian crisis in Gaza and have called on their institutions to divest from Israeli firms. However, some Jewish students have called the protesters anti-Semitic and expressed concern about their safety. In the election year, politicians have stepped in to term the protests 'anti-Semitic' and demanded a crackdown. The protests are against the policies of the Israeli government, but somehow it is made out that they are against the Jewish community. In India, it is easy to understand the difference, but in the West, with its terrible history of murderous anti-Semitism, public opinion is often manipulated on the issue by the powerful Jewish lobby in the US.

The protests reflect that young Americans are more likely to oppose Israel's actions than the older ones. A Gallup survey in March found that 55 per cent of the Americans disapproved of the Israeli military action in Gaza, with 63 per cent of them in the age group of 18-34. Student protests can be sometimes immature, are always impassioned and often over the top. Indeed, students and protests often go hand in hand and are a hallmark of a flourishing democracy. But American adults, from the President downwards, seem to be failing their country. President Biden, under pressure from the left wing of the Democrats, has backed the students' right to protest, "but not the right to cause chaos". American students have a six-decade-old tradition of protest. They were at the forefront of the anti-segregation movement in the 1950s and 1960s; they protested Free Speech limitations in Berkeley in 1964, thereafter the

Vietnam War, apartheid in South Africa and so on. The scale of destruction unleashed on Gaza as retribution for the Hamas terrorist attack of October 7 has been wildly disproportionate. There has been little evidence that Israel has sought to apply discriminate force in its battle with the Hamas. Even its mentor, the US, has raised the issue of its humanitarian conduct with Israel. The International Criminal Court has been conducting hearings on the Israeli actions in Gaza. Separately, the International Court of Justice is hearing a case filed by South Africa, alleging Israel's violation of the international law by committing and failing to prevent genocidal acts. The US has a certain vanity about its traditions of free speech and expression, but when push comes to shove, there is a tendency to overreact. And this is what seems to have happened on many campuses. College and university administrators have not handled the issues very competently. The University of Southern California, for example, cancelled a valedictory speech by a top student who happened to be a Muslim girl, leading to an uprising that prompted the university president to call the police. The University of California, Los Angeles, had adopted a liberal approach and allowed an encampment, but summons by a Republican-led congressional committee probably panicked it into calling the police, who came in along with a group of non-student counter-protesters, triggering violence. Prestigious universities like Harvard, Columbia and Indiana have floundered in dealing with the protests and have hastily called in the police to tackle the situation. Some non-student provocateurs from the right and the left have promoted violence, but even the New York Police Department acknowledged that the protests had been non-violent. In many instances, the



students have been joined by faculty members, who have criticised their administrators for mishandling the protests. While US colleges and universities like Brown University, Northwestern University and the University of Minnesota have brokered deals with the students, others like University of California (Berkeley) and Wesleyan College have allowed protest encampments.

The allegation of anti-Semitism in colleges has been taken up by the right wing in Congress. Acrimonious hearings by a House Committee have put college administrators on the back foot and forced some of them to resign. Two weeks ago, the Speaker of the US House of Representatives, Mike Johnson, himself descended on Columbia University and met Jewish students. At a press conference there, he called on the president of the university, Minouche Shafik, to resign and suggested that the National Guard be

summoned to deal with the demonstrations.

More than two dozen Republican senators signed a letter calling on Biden to restore order to the campuses by using federal laws against "the outbreak of anti-Semitic, pro-terrorist mobs". Such labelling of protesters, most of whom have been motivated by the humanitarian concerns arising out of the deaths of around 35,000 Palestinians, more than half of them children, indicates the moral vacuum in the hearts of many contemporary American politicians. Johnson has probably forgotten history in suggesting a militarised response to deal with peaceful protests. In 1970, the Ohio National Guard fired at and killed four unarmed students and wounded nine who were protesting against the Vietnam War at Kent State University. There is, of course, the irony of someone like Johnson calling for a 'law and order' crackdown, considering his support to the January 6, 2021, insurrection which attempted to violently overturn the results of the 2020 American elections.

In a recent column, Edward Luce, US commentator for Financial Times, noted that while student protests could be "foolishness — or worse", it was American adults "who are making the biggest dunces of themselves". They are, he lamented, displaying "traits of hysteria and dogmatism they deplore in the young".

Sensex falls over 250 points, Nifty tumbles as market opens in red

New Delhi, Benchmark stock indices opened in red on Wednesday with volatility remaining high amid the ongoing Lok Sabha elections. The S&P BSE Sensex dropped 0.4% to 73,251.88 points, while the NSE Nifty50 declined 0.5% to 22,190 points. The volatility index surged by 7.7% to 18.32, marking a 15-month high for the third consecutive session. This spike reflects the prevailing uncertainty surrounding the national elections, persistent foreign divestments, and market analysts' responses to corporate earnings, all contributing to investor unease. Tuesday's trading saw notable volatility, with indices starting higher but ultimately closing lower by the end of the day.

V K Vijayakumar, chief investment strategist at Geojit Financial Services, highlighted that market pressure stems from election result uncertainties amidst widespread media speculation.

Pharmaceutical stocks declined by 1.2%, largely due to a 4% fall in Dr Reddy's shares despite reporting better-than-expected fourth-quarter profits. Analysts observed that its core operations fell short of market expectations. Among the Nifty50 stocks, Coal India, Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL), Maruti Suzuki, Tata Steel, and SBI Life Insurance emerged as top gainers. Dr Reddy's, Larsen and Toubro, Hindustan Unilever Limited, HDFC Bank, and Asian Paints were the top losers during the market's opening.

Asian markets mixed as traders weigh rates outlook

HONG KONG. Asian markets fluctuated Wednesday as the latest rally ran out of steam due to a lack of major catalysts, while investors contemplated the outlook for monetary policy. While Europe enjoyed a firm session, Wall Street was a little more tepid after surging in reaction to Friday's below-forecast US jobs data, which ramped up bets on a Federal Reserve interest rate cut. With the next major economic release on inflation not until next week and many big-ticket earnings releases out of the way, investors are keeping tabs on comments from central bankers, hoping for an idea about their plans. There was limited data on corporate earnings to worry the markets, with no unexpected surprises and a lack of major US economic data in the days ahead," said Kyle Rodda at Capital.com.

Many have spent the year pushing back against market expectations for how many cuts will be enacted this year as inflation comes down, and with recent data suggesting that the battle still has a long way to go, they are sticking to their guns. The latest, Minneapolis Fed boss Neel Kashkari said that he thought borrowing costs would likely stay higher for some time so that officials could be sure prices were being brought under control and get inflation back to the two percent target.

"The most likely scenario is we sit here for an extended period of time. If inflation starts to tick back down or we see some marked weakening in the labor market then that might cause us to cut back on interest rates," he said, according to Bloomberg News. Asian markets swung through the morning.

Hong Kong resumed its upward journey, having ended slightly lower Tuesday to snap a 10-day winning streak, while there were also gains in Sydney, Seoul and Jakarta. But Tokyo, Shanghai, Singapore, Wellington, Manila and Taipei were all down.

Indian domestic automobile retail sales surge 27 per cent year-on-year growth in April: FADA

NEW DELHI: Passenger vehicle retail sales in India rose 27 per cent year-on-year to 22,06,070 units in April as all segments, including passenger vehicles and two-wheelers, witnessed growth, industry body FADA said on Wednesday. The overall vehicle registrations stood at 17,40,649 units in April 2023. Passenger vehicle retail sales rose 16 per cent to 3,35,123 units last month as compared to 2,89,056 units in the same month last year. Similarly, two-wheeler registrations increased 33 per cent to



16,43,510 units in April against 12,33,763 units in the same month last year. Commercial vehicle retail witnessed a 2 per cent year-on-year jump to 90,707 units in April. Three-wheeler sales rose 9 per cent year-on-year to 80,105 units while tractors witnessed growth of 1 per cent at 56,625 units in April.

"While some attribute this growth to the shift in Navratri to April instead of March last year, the overall increase was significant," the Federation of Automobile Dealers Associations (FADA) President Manish Raj Singhania said. "Despite strong bookings and customer flow, high competition, excess supply and discounting presented challenges for sustained growth. Additionally, the lack of new models in some portfolios impacted market traction," Singhania said. FADA said it collated vehicle retail data from 1,360 out of 1,503 RTOs across the country.

Vedanta's Anil Agarwal compares value of these metals to gold. Check herea

Vedanta chairperson Anil Agarwal said that these metals are crucial for upcoming technologies such as solar PV cells, batteries, EVs, etc.

New Delhi, Vedanta chairperson Anil Agarwal, drew attention to the value of certain metals that are seeing high demand amid the recent rise in gold prices. He highlighted this perspective in a recent post, mentioning copper, aluminium, zinc, and silver as pivotal to modern technologies and comparing their value to 'almost like gold.' "The really amazing, less noticed story is actually emerging in metals like copper,

aluminium, zinc and silver, all of which are critical minerals. While gold is known for its intrinsic value, these critical minerals are almost like gold for their functional value," said Agarwal in a post on social media platform X. He said that these metals are crucial for upcoming technologies such as solar PV cells, batteries, EVs, etc. "They are fundamental to new age technologies whether those related to energy transition (solar PV cells, batteries, EVs) or in technologies related to artificial intelligence (advanced semiconductors)," said Agarwal.

He further characterised the recent surge in gold prices as a trend, mentioning his extensive experience in investment markets. "Investors historically turn to gold during times of global economic or geopolitical uncertainty," he said. The industrialist termed these metals as 'green metals', highlighting their role in



promoting a more eco-friendly world.

"What also stands out is that these are green metals. They support a climate-friendly world. They are recyclable. And using the latest technology, they can be mined without damaging the environment," said the Vedanta chairperson. Considering India's position as the world's fastest-growing economy, Agarwal highlighted the importance of self-sufficiency in

critical minerals to support the nation's expanding manufacturing sector. He called for increased exploration efforts and simplified regulatory clearances to meet this growing demand.

Meanwhile, gold prices saw a 1% increase, driven by a weakening US dollar following subdued job data in the United States. Spot gold rose by 0.8%, reaching \$2,320.95 per ounce on Tuesday. Similarly, US gold futures for June delivery climbed 0.9% to \$2,329.70 per ounce. Although traditionally considered a hedge against inflation, gold's appeal diminishes with reduced interest rates, which lower the opportunity cost of holding bullion and weakens the dollar, in which gold prices are quoted.

Aadhar Housing Finance IPO: Should you subscribe or not

New Delhi, The initial public offering (IPO) of Aadhar Housing Finance Limited opened for subscription on Wednesday aiming to raise Rs 3,000 crore. The housing finance company backed by Blackrock is offering its shares at a price range of Rs 300 to Rs 315 per share. Investors keen on subscribing to this IPO can do so until May 10, with the minimum lot size being 47 shares, requiring a minimum investment of Rs 14,805. The company plans to finalise the basis of share allotment by May 13 and expects to initiate refunds on May 14. Aadhar Housing Finance is scheduled to make its debut on the stock exchanges on May 15. Should you subscribe to Aadhar Housing Finance IPO? Rajan Shinde, Research Analyst at Mehta Equities Ltd said that the company has shown a good growth in revenue from operations and net profit in FY 2023 by 18.2% & 22.5% and gave a 'Subscribe' rating. "Its increasing penetration into

tier 4 and tier 5 towns suggests promising growth prospects. Hence, considering all the parameters, we are recommending investors to "Subscribe" the issue for the long term



perspective," said Rajan Shinde, Research Analyst at Mehta Equities Ltd. Aadhar Housing Finance IPO latest GMP The grey market premium (GMP) for Aadhar Housing Finance IPO stands at Rs 70 as of May 8, 2024, morning. Given the price band of Rs 315 per share, the estimated listing

price for the IPO would be Rs 385 (price band + GMP). This suggests an expected gain of 22.22% per share. Aadhar Housing Finance Limited overview The Company intends to

utilise the net proceeds from the IPO to meet future capital requirements for lending activities and for general corporate purposes. Established in 2010, Aadhar Housing Finance Limited focusses on providing housing finance solutions to the lower-income segments. The company operates through deep impact branches and sales offices to cater to customers in India's tier 4 and tier 5 towns. Financially, Aadhar Housing Finance Limited has shown promising growth, with revenue increasing by 18.22% and profit after tax (PAT) rising by 22.22% between the financial years ending March 31, 2023, and March 31, 2022.

Kerala: Ageing weavers, low earnings leave Chendamangalam handloom in dire straits

KOCHI. Known as the best fabric in Kerala, the Chendamangalam handloom is struggling to hold on to its legacy. Even as its master craftspeople are ageing, Chendamangalam is finding it hard to attract the young generation of weavers into its fold. Among the 13 handloom societies in Ernakulam district, the Chendamangalam handloom sector in Paravoor taluk comprising five societies has an uphill task ahead: around 70% of their members are above 60. While a daily wage worker in the construction field earns Rs 900 to 1,200 a day, a handloom weaver receives merely Rs 250 to 300. Further, the lack of job security keeps the youth away from the sector, officials say.

The weavers in Chendamangalam, the ancient handloom village with Geographical Identification tagging, are known for their expertise in producing authentic Kerala attire like

the 'set-mundu' and the 'kasavu' saree for weddings, besides the common bath towel 'thorthu'. "Handloom needs high subtlety, from boiling the yarn to turning it into a piece of cloth. Most of the societies are surviving with tiny orders. It's difficult to meet these orders by depending solely on an elderly workforce," says C S Saritha, secretary of the Kuriyapilly Handloom Society. The sector continues to survive because of various grants and allowances from the state government, which has been pending from 2019, she points out. As a representative of the 24-member handloom society, Saritha asserts the introduction of new products and designs can change the situation for the better. P A Sojan, a former secretary of the Chendamangalam Handloom Weavers' Cooperative Society, is concerned over the declining numbers of workers in the sector. "Each

handloom society had more than 650 workers 15 years ago. Now the five societies in Paravoor are working with 600 to 650 workers and about 200 allied workers. Moreover, they are knitting less than 10% of the actual need," he says. If a worker weaves four metres (the normal size of a 'double mundu') a day, and if it is priced at Rs 1,000, the weaver gets only Rs 200 to 250 a day, Sojan points out. "Through a power loom (mechanised loom), the production will increase and reach the market for Rs 250-400/dhoti. But it won't have the quality of handmade fabric," stresses Sojan, who has 42 years of experience in the handloom sector. He admits that government grants and allowances like the subsidies for hank yarn and chemicals, rebates for school uniforms, and grants for exhibitions and handloom machines upgrading help workers overcome some of their problems.

78 Air India Express flights cancelled after staff suddenly call in sick

At least 78 international and domestic Air India Express flights were cancelled after senior crew members reported sick overnight without notice.

NEW DELHI: At least 78 international and domestic Air India Express flights were cancelled after senior crew members reported sick overnight without notice. Airline sources told India Today TV that they suspected the crew members to be unhappy with the performance-linked incentive component of salaries after the revamp and restructuring. The sources also said that the crew members wanted to avoid chaos at airports. Meanwhile, efforts to reach out to the protesting cabin crew members have been fruitless so far. In a statement earlier, an Air India Express spokesperson said, "A section of



our cabin crew reported sick at the last minute, starting last night, resulting in flight delays and cancellations. While we are engaging with the crew to understand the reasons behind these occurrences, our teams are actively addressing this issue to minimise any inconvenience caused to our guests as a result. "We sincerely apologise to our guests for this unexpected disruption and emphasise that this situation does not reflect the standard of service we strive to provide.

Guests impacted by cancellations will be offered a full refund or complimentary rescheduling to another date," it added. The spokesperson also urged passengers flying with Air India Express today "to check if their flight is affected, before heading to the airport". Meanwhile, sources on Wednesday told PTI news agency that more than 200 cabin crew are believed to have reported sick. Flight disruptions were reported at various airports, including Kochi, Calicut and

Bangalore, they added. The airline, which is in the process of merging AIX Connect (formerly AirAsia India) with itself, is to operate 360 daily flights during the summer schedule that started in the last week of March.

Discontent has been brewing among cabin crew members at the low-cost carrier for a while, especially after the start of the merger process. Air India Express, now owned by the Tata Group, was issued a show cause notice by the Union Labour Ministry in December 2023 for alleged violations of regulations related to disputes between the airline's management and cabin crew members.

The notice was linked to concerns raised by cabin crew members, including issues with room sharing during layovers.

The show cause notice was issued a month after the Air India Express Employees Union (AIXEU) had written to Union Civil Aviation Minister Jyotiraditya Scindia regarding various grievances raised by the cabin crew members, which also included the curtailment of service contracts for some members.

How Haryana Numbers Stack Up, And How Chautala Family Math May Hold The Key

Chandigarh: In the middle of the Lok Sabha election, dramatic developments have reduced the BJP-led state government to a minority in Haryana Assembly. The Congress is now racing against time to make the most of the situation and cobble together the numbers required to topple the Nayab Singh Saini government months before state polls.

Behind the crisis is the decision of three Independent MLAs to switch from the BJP camp to the Congress side last evening. MLAs Sombir Sangwan (Dadri), Randhir Singh Gollen (Pundri) and Dharampal Gonder (Nilokheri) announced their decision to withdraw support to the BJP government at a press meet in Rohtak yesterday. They were accompanied by Leader of the Opposition in the Assembly, Congress's Bhupinder Singh Hooda, and state Congress chief Uday Bhan. Addressing the media, Mr Hooda said, "The government should resign. President's rule should be imposed in the state and elections held. This is an anti-people government."

Chief Minister Saini, who took over the top post just about two months back, had a guarded response. "When I heard about it, I knew that moment the

Congress is trying to fulfil their wishes. Everyone has a wish. But the people know. They know the Congress has got nothing to do with the wishes of people, but is only focused on fulfilling their wishes," he said. The Chief Minister did not elaborate on how the BJP plans to counter the threat to its government. In a significant remark, Haryana Speaker Gian Chand Gupta has said a majority test had earlier been conducted on the demand of Mr Hooda and there is no need to conduct another for six months. The Nayab Singh Saini government cleared a trust vote soon after he took over in March.

The JJP Factor

Adding a twist to the Haryana political upheaval, the BJP's former ally Jannayak Janta Party (JJP) has offered support to the Congress. JJP leader and former Deputy Chief Minister Dushyant Chautala has said the government has lost the trust of the people. "We will support a move to bring down the government. The Congress has to decide if it will make a move or not," he said. This comes less than two months after the BJP parted ways with JJP, which has 10 MLAs, and cobbled together enough numbers

to cross the majority mark.

How The Numbers Stack Up

The 90-seat Haryana Assembly currently has 88 members. This means the majority mark is 45. The BJP has 40 MLAs of its own and is supported by three out of 6 Independent MLAs. This makes it 43, two short of the magic figure. The Congress has 30 legislators and three Independents now support it. If the JJP backs it, the Congress will have the support of 43 MLAs. This leaves two MLAs -- one from Haryana Lokhit Party and the other from INLD.

The Chautala Family Factor

An interesting subplot playing out amid the Haryana government crisis is linked to the Chautala clan that once dominated the state's political landscape before a string of poll setbacks, convictions and a split reduced INLD to a one-man party in the Assembly. Currently, INLD general secretary Abhay Chautala is the party's lone MLA in the Assembly. Now that the JJP, led by Mr Chautala's estranged nephew Dushyant Chautala has offered support to the Congress, the question is will Abhay Chautala remain on the same side or join ranks with BJP.



Maldivian Foreign Minister Moosa Zameer to visit India on Thursday

New Delhi: Maldivian Foreign Minister Moosa Zameer will visit India on May 9, in the first high-level trip from Male after the Maldives' pro-China president Mohamed Muizzu assumed office six months ago. Announcing Zameer's visit, the Ministry of External Affairs said it is expected to lend further momentum to the bilateral cooperation. The ties between the two countries came under severe strain in view of Muizzu insisting on withdrawal of Indian military personnel operating three military platforms in the island nation.

India has already withdrawn most of its military personnel. President Muizzu had set May 10 as the deadline for withdrawal of the Indian military troops from his country. "Moosa Zameer, Minister of Foreign Affairs of the Maldives, will be in India on an official visit on May 9," the Ministry of External Affairs (MEA) said on Tuesday. It said Zameer will meet External Affairs Minister S Jaishankar for discussions on bilateral and regional issues of mutual interest. "The Maldives is India's key maritime neighbour in the Indian Ocean Region and Foreign Minister Zameer's visit is expected to lend further momentum to the bilateral cooperation between the two countries," the MEA said in a statement.

The Maldivian foreign ministry said Zameer will hold talks with Jaishankar focusing on "deepening and expanding the longstanding" Maldives-India partnership.

"This is Foreign Minister Zameer's first official visit to India since assuming office," it said.

Live-In Relation Still A "Stigma" In Indian Culture: Chhattisgarh High Court

New Delhi: The Chhattisgarh High Court has said that the live-in relationship is an "imported" philosophy contrary to the general expectations of Indian tenets and that it is still considered a "stigma" in the Indian culture.

While dismissing a man's appeal for custody of a child born from a live-in relationship, a bench of Justice Goutam Bhaduri and Justice Sanjay S Agrawal recently observed that such a relationship is preferred over marriage because it provides a "convenient escape when things fail to work between partners". "The security, social acceptance, progress, and stability which the institution of marriage provides to a person is never provided by live-in relationship," the bench noted.

"The close inspection of society shows that the institution of marriage no longer controls the people as it did in the past due to the cultural influence of the western countries and this significant shift and apathy towards matrimonial duties has probably given rise to the concept of live-in relationship," the High Court said.

The petitioner, Abdul Hameed Siddiqui, a resident of Chhattisgarh's Dantewada, had sought custody of a child born from his live-in relationship with Kavita Gupta.

Both were in a relationship for three years and got married in 2021 without conversion. A Dantewada family court had turned down his plea in 2023, following which he moved to the High Court. He claimed that in August 2023, Ms Gupta had moved with the child to her parent's home, after which he moved to the court seeking the child's custody. Mr Siddiqui's lawyer said that both parties performed marriage under the Special Marriage Act, 1954, and since he is governed by the Mahomedan law, he is allowed to perform a second marriage and that his marriage with Ms Gupta was legal.

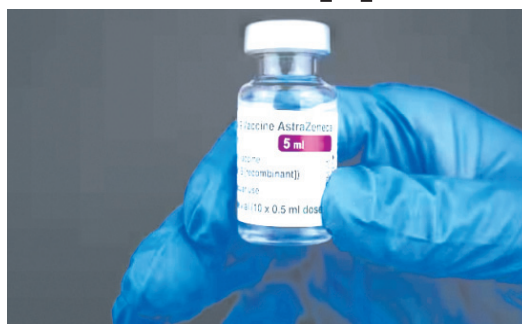
It was also contended that he would be the natural guardian of the child born out of such marriage, and was entitled to custody of the ward. Mr Gupta, however, claimed that a second marriage was not permissible in the facts of the case as his first wife was alive. Her counsel argued that Mr Siddiqui could not claim to be a legal guardian for a child born out of such a relationship. The bench observed that the provisions relating to more than one marriage of a Muslim man under their personal law "cannot be invoked before any Court of law unless and until the same is pleaded and proved".

AstraZeneca withdraws Covid vaccine globally: What happens in India?

New Delhi: Pharmaceutical giant AstraZeneca has announced the global withdrawal of its Covid-19 vaccine, Vaxzevria, citing a surplus of newer vaccine options as the primary reason.

The company has voluntarily withdrawn the "marketing authorization" for the vaccine within the European Union, and similar applications are expected to be made in other countries where the vaccine was approved. The decision comes amidst ongoing legal battles faced by AstraZeneca over allegations that its vaccine, developed in collaboration with the University of Oxford, led to fatalities and severe injuries, including Thrombosis with Thrombocytopenia Syndrome (TTS).

However, the company has maintained that the withdrawal is not linked to the court case or its admission of TTS side effects, but rather due to commercial



reasons and a decline in demand. As multiple, variant Covid-19 vaccines have since been developed, there is a surplus of available updated vaccines," AstraZeneca said in a statement, adding that this had led to a decline in demand for Vaxzevria, which is no longer being manufactured or supplied.

WHAT HAPPENS IN INDIA?

The vaccine, known as Covishield in India and other low- and middle-income countries, was developed by

AstraZeneca and Oxford University in response to the coronavirus pandemic in 2020. It played a crucial role in the global vaccination effort, with independent estimates suggesting that over 6.5 million lives were saved in the first year of its use alone.

While AstraZeneca has voluntarily withdrawn the marketing authorization for Vaxzevria in the European Union, similar applications are expected to be made in other countries, including India, where the vaccine was manufactured and distributed by the Serum Institute of India (SII) under a license. Sources within the Health Ministry told India Today that the Indian government has not purchased any Covid-19 vaccines in the last two years, and there is no indication of purchasing any more vaccines in the near future.

6 dead after car ploughs into truck taking wrong U-turn on Rajasthan highway

New Delhi: Six people of the same family were killed after their car ploughed into a truck taking a wrong U-turn on the Delhi-Mumbai Expressway in Rajasthan. Two children were also injured in the accident and the truck's driver is absconding. The accident, which took place on Sunday near the Banas river bridge in Sawai Madhopur district, was captured by CCTV, which showed negligence on the truck driver's part.

In the footage, the car is seen travelling behind the truck. Suddenly, the truck took a U-turn, and as a result, the car travelling at high speed ploughed into it. The driver fled from the spot before the police reached the spot and seized the truck.

The victims were identified as Manish



Sharma, Anita Sharma, Satish Sharma, Poonam, Santosh and Kailash. They were heading from Sikar district to the Trinetra Ganesh temple in Ranthambore.

Meanwhile, Additional SP Dinesh Kumar said the two injured children were referred to Jaipur and are reportedly stable, the PTI news agency

reported. He also said the accused driver was identified via the CCTV footage and efforts are on to arrest him.

Chief Minister Bhajanlal Sharma and his Deputy Diya Kumari offered condolences. "The news of the death of 6 civilians in a horrific road accident that took place on the Delhi-Mumbai Expressway in Baunli police station area of Sawai Madhopur district is extremely sad," he tweeted in Hindi.

"The concerned officials have been instructed to provide all possible help to the affected people.

"Also taking to the microblogging site, Diya Kumari said, "Sad news was received about the death of six people in a horrific road accident in the Baunli police station area of Sawai Madhopur." "I wish the injured a speedy recovery," she added.

Speaking at a seminar on Saturday, he recalled when he was caned at school for a small mistake.

New Delhi: While corporal punishment is now looked down upon as a cruel method to discipline children, it was very much a reality for generations that did their schooling decades ago. For Chief Justice of India DY Chandrachud, it wasn't different either.

Speaking at a seminar on Saturday, he recalled when he was caned at school for a small mistake "How you treat children has

a deep impact on their minds throughout their life...I will never forget that day in school. I was not a juvenile delinquent when my hands were caned. I was learning craft and didn't bring the right sized needles to class for the assignment," he said. The Chief Justice, who was then in Class 5, said the way people treat children leaves a lasting impact on their minds. "I still remember that I requested my teacher to cane my bum and not my hand," he added. Out of shame, he could not tell his parents and had to hide his injured right palm for 10 days. "The physical wound healed, but left an everlasting imprint on the mind and soul. It is still with me when I do my work. The impact of such travesty on children is so deep," said the CJI.

The Chief Justice of India shared the incident while speaking at the National Symposium on Juvenile Justice organised by the Supreme Court of Nepal in

Kathmandu. While discussing juvenile justice, we need to recognise the vulnerabilities and unique needs of children embroiled in legal disputes and ensure that our justice systems respond



with compassion, rehabilitation and opportunities for reintegration into society, said CJI Chandrachud.

He said it is important to understand the multifaceted nature of adolescence and its interrelationship with various dimensions

of the society. At the seminar, the CJI also mentioned a petition filed in the Supreme Court demanding the termination of pregnancy of a minor rape survivor. He also talked about the challenges faced by

India's juvenile justice system. A major challenge is inadequate infrastructure and resources, especially in rural areas, which has led to overcrowded and substandard juvenile detention centres, due to which providing proper support to juvenile delinquents and efforts to provide rehabilitation may be hindered, he said.

Social realities must also be considered as many children are pushed into criminal activities by gangs, the CJI said, adding that adolescents with disabilities are also vulnerable - as is seen how visually impaired children are exploited for begging by criminal syndicates in India.

86 Air India Express Flights Cancelled As Crew Goes On "Mass Sick Leave"

New Delhi: At least 86 Air India Express flights were cancelled after the cabin crew members went on a "mass sick leave", official sources said on Wednesday. The international and domestic flights were cancelled after about 300 senior cabin crew members reported sick at the last minute and switched off their mobile phones.

The Air India Express management is currently trying to reach out to the crew, who are protesting against the new employment term at the Tata Group-owned airline, sources said. "A section of our cabin crew has reported sick at the last minute, starting last night, resulting in flight delays and cancellations. While we are engaging with the crew to understand the reasons behind these occurrences, our teams are actively addressing this issue to minimise any inconvenience caused to our guests as a result," an Air India Express spokesperson said.

We sincerely apologise to our guests for this unexpected disruption and emphasise that this situation does not reflect the standard of service we strive to provide," the spokesperson added. Guests impacted by cancellations will be offered a full refund or complimentary rescheduling to another date, the airline said. Several passengers took to their social media accounts and complained about the sudden cancellations of their flights. They said that they had "no information" about the cancellations. A "very disappointed" passenger on X said he had reached the airport when he was informed that his flight was cancelled.

"We apologise for any inconvenience. Please be informed that your flight has been cancelled due to operational reasons," Air India Express said in response to his post.

Why Air India Express Crew Is Protesting

According to sources, the crew at the Air India Express, a subsidiary of Air India, has alleged that there was a lack of equality in the treatment of the staff after the merger with Tata Group. They claim that some staff members were offered lower job positions despite clearing interviews. The crew has also alleged that the key parts of the compensation package have been modified or removed and that the airline management is shutting down the dissenting voices, sources said.

The airline is currently also in the process of merging AIX Connect (formerly AirAsia India) with itself. The crisis at Air India Express comes a month after Tata Group full-service carrier Vistara witnessed cancellations due to pilot woes. Discontentment had simmered among pilots at Vistara, which is in the process of getting merged with Air India, following the new contracts wherein there were concerns on rosters for pilots operating flights and a component of their salary packages.

NEWS BOX

Elon Musk on Canada's move to curb online hate content: 'This sounds insane'

World Tesla CEO Elon Musk has commented on a Canadian legislation that aims to curb online hate content and create stronger online protection for people in the country, especially children. The Independent newspaper reported that Musk on Tuesday retweeted a news article, which "appeared to be an untrue claim", that the legislation would give power to the police to arrest anyone who has ever posted hate speech, even before the bill was introduced in February this year. Community Notes is the X microblogging platform's crowdsourced fact checking service.

The bill, dubbed as the Online Harms Act, was introduced by the Justin Trudeau-led Canadian government on February 26. "The bill would create stronger online protections for children and better safeguard everyone in Canada from online hate and other types of harmful content," the government had said in an official statement at the time. "It would hold online platforms, including livestreaming and user-uploaded adult content services, accountable for reducing users' exposure to harmful content on their platforms and help prevent its spread." The legislation would also enforce the removal of content that "sexually victimises a child or revictimises a survivor and intimate content communicated without consent".

It will further increase the maximum sentences for illegal hate speech, while allowing citizens to report discriminatory speech to a human rights tribunal, which could entail a compensation up to 20,000 Canadian dollars or a fine of 50,000 Canadian dollars, the Independent reported.

Maldivian Foreign Minister Moosa Zameer to visit India on Thursday

World Maldivian Foreign Minister Moosa Zameer will visit India on May 9, in the first high-level trip from Male after the Maldives' pro-China president Mohamed Muizzu assumed office six months ago.

Announcing Zameer's visit, the Ministry of External Affairs said it is expected to lend further momentum to the bilateral cooperation. The ties between the two countries came under severe strain in view of Muizzu insisting on withdrawal of Indian military personnel operating three military platforms in the island nation. India has already withdrawn most of its military personnel. President Muizzu had set May 10 as the deadline for withdrawal of the Indian military troops from his country.

"Moosa Zameer, Minister of Foreign Affairs of the Maldives, will be in India on an official visit on May 9," the Ministry of External Affairs (MEA) said on Tuesday. It said Zameer will meet External Affairs Minister S Jaishankar for discussions on bilateral and regional issues of mutual interest. "The Maldives is India's key maritime neighbour in the Indian Ocean Region and Foreign Minister Zameer's visit is expected to lend further momentum to the bilateral cooperation between the two countries," the MEA said in a statement.

The Maldivian foreign ministry said Zameer will hold talks with Jaishankar focusing on "deepening and expanding the longstanding" Maldives-India partnership. "This is Foreign Minister Zameer's first official visit to India since assuming office," it said.

Stormy Daniels describes meeting Trump during occasionally graphic testimony in hush money trial

NEW YORK. With Donald Trump sitting just feet away, Stormy Daniels testified Tuesday at the former president's hush money trial about a sexual encounter the porn actor says they had in 2006 that resulted in her being paid to keep silent during the presidential race 10 years later.

Jurors appeared riveted as Daniels offered a detailed and at times graphic account of the encounter Trump has denied. Trump stared straight ahead when Daniels entered the courtroom, later whispering to his lawyers and shaking his head as she testified.

The testimony was by far the most-awaited spectacle in a trial that has toggled between tabloidesque elements and dry record-keeping details. A courtroom appearance by a porn actor who says she had an intimate encounter with a former American president added to the long list of historic firsts in a landmark case laden with claims of sex, payoffs and cover-ups and unfolding as the presumptive Republican nominee makes another bid for the White House.

Daniels veered into salacious details despite the repeated objections of defense lawyers, who demanded a mistrial over what they said were prejudicial and irrelevant comments.

"This is the kind of testimony that makes it impossible to come back from," attorney Todd Blanche said. "How can we come back from this in a way that's fair to President Trump?"

The judge rejected the request and said defense lawyers should have raised more objections during the testimony. The Trump team later in the day used its opportunity to question Daniels to paint her as motivated by personal animus and profiting off her claims against Trump.

"Am I correct that you hate President Trump?" defense lawyer Susan Necheles asked Daniels.

"Yes," she acknowledged. Daniels' statements are central to the case because in the final weeks of Trump's 2016 Republican presidential campaign, his then-lawyer and personal fixer, Michael Cohen, paid her \$130,000 to keep quiet about what she says was an awkward and unexpected sexual encounter with Trump in July 2006 at a celebrity golf outing in Lake Tahoe. Trump has pleaded not guilty

TikTok's Chinese owner sues US government over potential ban

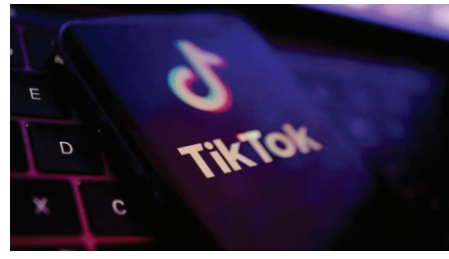
Washington TikTok and its Chinese parent company ByteDance sued in US federal court on Tuesday seeking to block a law signed by President Joe Biden that would force the divestiture of the short video app used by 170 million Americans or ban it.

The companies filed their lawsuit in the US Court of Appeals for the District of Columbia Circuit, arguing that the law violates the US Constitution on a number of grounds including running afoul of First Amendment free speech protections. "For the first time in history, Congress has enacted a law that subjects a single, named speech platform to a permanent, nationwide ban," the companies said in the lawsuit. The lawsuit said the divestiture "is simply not possible: not commercially, not technologically, not legally. ... There is no question: the Act (law) will force a shutdown of TikTok by January 19, 2025, silencing the 170 million Americans who use the platform to communicate in ways that cannot be replicated elsewhere."

The White House has said it wants to see Chinese-based ownership ended on

national security grounds but not a ban on TikTok. The White House and Justice Department declined to comment on the lawsuit. The lawsuit is the latest move by TikTok to keep ahead of efforts to shut it down in the United States as companies such as Snap and Meta look to capitalise on TikTok's political uncertainty to take away advertising dollars from their rival.

Driven by worries among US lawmakers that China could access data on Americans or spy on them with the app, the measure was passed overwhelmingly in Congress just weeks after being introduced. TikTok has denied that it has or ever would share US user data, accusing American lawmakers in the lawsuit of advancing "speculative" concerns. Representative Raja Krishnamoorthi, top Democrat on a House committee on China, said the legislation is "the only way to address the national security threat posed by ByteDance's ownership of apps like TikTok." "Instead of continuing its deceptive tactics, it's time for ByteDance to start the divestment process," he said.



the law prohibits app stores like Apple and Alphabet's Google from offering TikTok and bars internet hosting services from supporting TikTok unless ByteDance divests TikTok by January 19.

The suit said the Chinese government "has made clear that it would not permit a divestment of the recommendation engine that is a key to the success of TikTok in the United States." The companies asked the DC Circuit to block US Attorney General Merrick Garland from enforcing the law and says "prospective injunctive relief" is warranted. According to the suit, 58% of ByteDance is owned by global institutional investors including

BlackRock, General Atlantic and Susquehanna International Group, 21% owned by the company's Chinese founder and 21% owned by employees - including about 7,000 Americans.

TENSIONS OVER INTERNET AND TECHNOLOGY The four-year battle over TikTok is a significant front in the ongoing conflict over the internet and technology between the United States and China. In April, Apple said China had ordered it to remove Meta Platforms' WhatsApp and Threads from its App Store in China over Chinese national security concerns. TikTok has spent \$2 billion to implement measures to protect the data of US users and made additional commitments in a 90-page draft National Security Agreement developed through negotiations with the Committee on Foreign Investment in the United States (CFIUS), according to the lawsuit.

That pact included TikTok agreeing to a "shut-down option" that would give the US government the authority to suspend TikTok in the United States if it violates some obligations, according to the suit.

Donald Trump's classified documents trial start indefinitely delayed, says court

Washington Donald Trump's trial in Florida on charges of illegally keeping classified documents after leaving office has been indefinitely postponed, a judge decided on Tuesday, greatly reducing the odds he will face a jury in either of the two federal criminal cases against him before the November 5 US election. Trump, seeking to regain the presidency, previously had been scheduled to go to trial on May 20 in the documents case brought by Special Counsel Jack Smith, but the prosecution and defence had both acknowledged that date would need to be delayed. US District Judge Aileen Cannon, who was appointed to the bench by Trump in 2020, said on Tuesday the trial would no longer begin May 20 but did not set a new date. Cannon scheduled pre-trial hearings to run through July 22. Trump has pleaded not guilty to 40 federal counts accusing him of retaining sensitive national security documents at his Mar-a-Lago estate in Florida after leaving office in 2021 and obstructing US government efforts to retrieve them.



Trump is the Republican candidate challenging Democratic President Joe Biden, who defeated him four years ago. Smith faces significant obstacles to getting either federal case against Trump to trial before the election. Cannon is yet to rule on several legal issues crucial to the documents case and has signalled support for Trump's defence on some matters. In a separate case brought by Smith involving Trump's efforts to overturn his 2020 election loss, the US Supreme Court seems poised to recognise that former presidents have at least some immunity from prosecution over official actions.

That outcome, mostly likely, would further delay Trump's election-related case as lower courts determine which

allegations against him are covered by that legal shield.

Trump's lawyers had said a trial in the documents case should not start until after the election, but also suggested an August 12 date in response to an order from Cannon to propose a timeline for the case. Smith proposed a July start date. Trump's lawyers have worked to delay all four criminal cases he faces.

"We're in this absolutely unprecedented situation where a defendant is potentially going to have the power to shut down his own prosecution," George Washington University law professor Randall Eliason, an expert in white-collar criminal cases, said.

"That's an argument for getting the case to trial before the election", he added.

Trump has been on trial in New York state court since April 15 on charges he unlawfully sought to conceal hush money paid to porn star Stormy Daniels before the 2016 election. He has also been charged in state court in Georgia over his attempts to overturn the 2020 election.

Rape, terror and death at sea: How a boat carrying Rohingya children, women and men capsized

MEULABOH, INDONESIA. The boat glided across waters that were dark and still, under a night sky that was cloudless and calm. But on board, the 12-year-old girl quaked with fear.

The captain and crew who she says had tortured her and three other women and girls were not finished. And the punishment for disobedience, the men warned, would be death. It was the third night that the girl and around 140 other ethnic Rohingya refugees had been trapped on the wooden fishing boat, floating off the coast of Indonesia. These children, women and men had fled Bangladesh and their homeland of Myanmar in a bid to escape violence and terror, only to face the same horrors with a crew that seemed to delight in their dread. Huddled among the other women and girls, the 12-

year-old — identified in this story only by the initial N, because she is a sexual assault survivor — tried to hide her face. She had already survived a night in the captain's bedroom, where she says he and several crew members had beaten and sexually abused her. Like most of the passengers, she had survived attacks by Myanmar's military that forced her and her family to flee to neighboring Bangladesh. There, she had survived nearly seven years in violence-plagued refugee camps. And she had thus far survived this journey without her family, who hoped she'd make it to Malaysia, where she was promised as a child bride to a man she had never met.

Her young life had been one long battle to survive. And so, it seemed, this night would be no different. The

captain was in a rage. He ordered more girls to join him and his crew in the bedroom.

No one budged.

"If you don't come to us," the captain shouted, "then we will capsize this boat!" What happened next would force N and the other Rohingya on board into yet another battle for survival. For many, this would be the battle they finally lost. In March, Indonesian officials and local fishermen rescued 75 people from atop the overturned hull of a boat off the coast of Indonesia's northern province of Aceh. Another 67 passengers, including at least 28 children, had been killed when the boat capsized, according to the United Nations High Commissioner for Refugees.

US paused weapons shipment to Israel to head off Rafah offensive: Report

World The United States last week temporarily halted a planned weapons shipment to Israel due to concerns that the Israeli military was preparing for a major ground operation in Rafah, the southern Gaza enclave housing over a million Palestinians. The White House administration official told news agency Reuters that as Israeli leaders appeared to be moving toward a decision on a Rafah incursion, the US began a thorough review of proposed weapons transfers to Israel. The situation in Rafah has escalated, with hundreds of thousands of Palestinian civilians seeking refuge from combat in other parts of Gaza. US President Joe Biden's administration has been actively working to prevent a full-scale assault by Israeli forces in Rafah, the official said. "The US position has been that Israel should not launch a major ground operation in Rafah, where more than a million people are sheltering with nowhere else to go," the official stated.

According to CBS News, the shipment in question included 1,800 2,000-pound (907-kg) bombs and 1,700 500-pound bombs.



Reuters, citing sources, reported that the delayed shipments involved Boeing-made Joint Direct Attack Munitions (JDAMs), which can transform conventional "dumb" bombs into precision-guided munitions. Additionally, Small Diameter Bombs were part of the

shipment. "We are especially focused on the end-use of the 2,000-lb bombs and the impact they could have in dense urban settings as we have seen in other parts of Gaza. We have not made a final determination on how to proceed with this shipment," the official added. The

delay coincides with public pressure from Washington on Israel to hold off in its offensive in Rafah until measures are taken to minimize civilian casualties. The US has expressed concerns about the humanitarian needs of civilians in the city. However, the Pentagon stated on Monday that there has been no official policy decision to withhold arms from Israel. Notably, in April, Washington approved a \$15 billion military aid package for Israel, which Biden termed as "vital support".

Meanwhile, Israel launched a major military offensive against Hamas forces in Rafah, seizing control of a key border crossing and cutting off most aid into the territory. It came after Israel on Monday declared that a three-phase ceasefire proposal approved by Hamas was unacceptable because terms had been softened. The US said it believes the remaining differences between Israel and Hamas can be bridged in negotiations over the Palestinian militant group's latest ceasefire proposal, as talks were scheduled to resume in Cairo.



authorisation", the vaccine is no longer authorised for use in the European Union. The withdrawal application was submitted on March 5 and took effect on Tuesday. Similar withdrawal applications will be submitted in the UK and other countries that had previously approved the vaccine, known as Vaxzevria.

Vaxzevria is under global scrutiny due to a rare side effect causing blood clots and low blood platelet counts. In court documents filed with the High Court in February, AstraZeneca admitted that the vaccine "can, in very rare cases, cause TTS".

TTS has been associated with at least 81 deaths in the UK, along with numerous serious injuries. AstraZeneca faces lawsuits from over 50 alleged victims and bereaved relatives in a High Court case.

"We are incredibly proud of the role Vaxzevria played in ending the global pandemic. According to independent estimates, over 6.5 million lives were saved in the first year of use alone and over three billion doses were supplied globally. Our efforts have been recognised by governments around the world and are widely regarded as being a critical component of ending the global pandemic," AstraZeneca said as quoted by the Telegraph.

NEWS BOX

Missing for decades,
Maradona's rediscovered
Golden Ball trophy set to be
auctioned in Paris

Paris. Diego Maradona's Golden Ball trophy from the 1986 World Cup has resurfaced. The award, which had been missing for decades, will be auctioned in Paris next month, the Aguttes house said Tuesday. Maradona, who died in 2020 at age 60, was awarded the trophy for his scintillating play at the tournament, where he captained Argentina in its 3-2 win over West Germany in the final in Mexico City. Before that, he scored the controversial "Hand of God" goal and the "Goal of the Century" in a 2-1 win over England in the quarterfinals.

The auction house said it expects the trophy "to fetch millions due to its uniqueness." Maradona received the award - given to the tournament's best player - at a ceremony at the Lido cabaret on the Champs-Élysées in 1986. It subsequently disappeared, giving rise to rumors. Some say it was lost during a wild poker game, or sold to pay off debts, Aguttes said.

Others said Maradona had stored it in a safe in a Naples bank that was robbed by local gangsters in 1989, when he played in the Italian league. According to the story told by a reformed member of the mafia, the trophy was then melted down into gold pieces. "A



far-fetched theory, given that it was made of a gold-copper alloy," Aguttes said in its auction catalogue.

Aguttes said the trophy reappeared in 2016 among other lots that were acquired from a private collection at auction in Paris. "It was thoroughly investigated and authenticated as Diego Maradona's Adidas Golden Ball trophy," Aguttes said. The "Hand of God" goal came when Maradona punched the ball into England's net for his team's opener. Maradona was also a magician with the ball at his feet and four minutes later, he weaved through England's midfield and defense and then past goalkeeper Peter Shilton for what FIFA later declared the greatest goal in World Cup history.

"To say that this World Cup had it all would be an understatement ... it was also, and above all, the tournament where Diego Maradona really showed the world what he could do with his feet, and even with his hands," said François Thierry, a sports expert at Aguttes. Bidders will be asked to deposit 150,000 euros (\$161,000) to participate in the June 6 auction.

LSG not worried about SRH's
batting, focused on winning:
Lucknow coach S Sriram

New Delhi. LSG assistant coach Sridharan Sriram said that his team was not worried about SRH's in-form batting but focused on winning games as the race for the IPL 2024 playoff intensifies. Both SRH and LSG teams are currently locked in at 12 points from 11 games, with Hyderabad making the top four cut based on a slightly superior net run rate of -0.065 compared to Lucknow's -0.371. The Sunrisers find themselves in fierce competition for the top four spots with KKR (16), RR (16) and CSK (12) and DC (12) stationed above them on the points table. The winner of the match will leap into the playoff race. "I think in general, spinners have had a tough time in this tournament. Wickets have been so good and the scores have been high," he said on Tuesday after heavy rains forced cancellation of his team's training schedule. But, I think given our spinners, Ravi Bishnoi has bowled really well in the last couple of games. Krunal



Pandya has been very good throughout, so I think we don't really have reasons to worry about it," Sriram said.

Sriram highlighted the importance of moving on from the crushing 98-run defeat against the Knight Riders. "Some games you are going to win big, some games you are going to lose. And, there are going to be tight games. So, in a 14-game competition, I think you take every win and loss in the same way," he said. "Just learn and move on. Pressure is the same for everyone. It is how we deal with it on the given day." "I think we have got experienced enough players to deal with it. One game at a time, one venue at a time. Three away games are definitely challenging, but we are up for the challenge," Sriram said. After 12 points in 11 games, the Super Giants remain in contention for a playoff spot, but the requirement to maintain a high net run rate adds no additional pressure, according to Sriram. "I think we have got to focus on winning. The net run rate will take care of itself if we win. So, I don't think there has been any chat around net run rate. It is about how we beat the opposition and that is what matters on a given day," Sriram said.

DC vs RR: Sanju Samson fined by BCCI over argument
with umpires after controversial dismissal

Sanju Samson has been fined 30% of his match fees for his dissent against the third umpire's judgement after being ruled out (caught) in the 56th match of the ongoing 17th edition of the Indian Premier League.

New Delhi RR captain Sanju Samson was fined 30% of his match fees after a heated on-field argument with the umpires following his controversial dismissal during the IPL 2024 match against DC on Tuesday. Sanju Samson's seemingly disputed dismissal sparked widespread outrage on social media. Samson was caught by Shai Hope at the long-off boundary while batting magnificently on 84; the side angle revealed Hope's foot perilously close to the boundary line, with many assuming he also touched the rope. However, there was no conclusive evidence to support the claim, prompting the TV umpire to rule the RR skipper out.



"Mr Sanju Samson, Captain, Rajasthan Royals has been fined 30 per cent of his match fees for breaching the IPL Code of Conduct during Match 56 of the TATA Indian Premier League (IPL) 2024 against Delhi Capitals at the Arun Jaitley Stadium, Delhi on May 07, 2024. "Samson committed a Level 1 offence under Article 2.8 of the IPL's Code of

Conduct. He admitted to the offence and accepted the Match Referee's sanction. For Level 1 breaches of the Code of Conduct, the Match Referee's decision is final and binding," the BCCI's statement read. DC earned a hard-fought 20-run win over Royals to technically stay alive in the IPL play-offs race as home spinners Axar Patel and

Kuldeep Yadav played a key role in the team's victory in the must-win contest Tuesday. Yet again, it was Jake Fraser-McGurk (50) and Abhishek Porel's (65) coruscating display of power-hitting that took DC to a challenging 221 for eight.

Chasing a stiff target to secure their place in the play-offs, the Royals were going strong but once skipper Sanju Samson (86 off 46 balls) was dismissed in the 16th over, their innings lost momentum. They ended up at 201 for 8. Wrist spinner Kuldeep (2/25 in 4 overs) and left-arm spinner Axar (1/25 in 3 overs) exhibited impressive control over line and length that did put brakes on Royals' scoring rate in the middle overs. The two bowlers gave away just 50 runs in their combined seven overs. After Tuesday's win, Delhi Capitals moved to fifth place with 12 points -- the same as three other teams -- but even if they win their remaining two contests, it will be difficult for them to make the knockout stage as the teams placed above them have better chances of logging 18 points. DC can have a maximum of 16 points.

Brian Lara warns India: Sometimes when you
have superstars, you forget to plan

New Delhi. Legendary West Indies batter Brian Lara has warned India and head coach Rahul Dravid ahead of the T20 World Cup 2024. Lara has said that India should not rely too much on their superstars and instead have a plan for the ICC tournament. India have not won the T20 World Cup since the inaugural edition (2007). This time around Rohit Sharma's team India would hope to turn their fortunes around in the tournament which is being jointly hosted by USA and West Indies.

Speaking to PTI after the selection of the India squad for the global tournament, Lara felt that the Indian team was missing a few youngsters, but said that there was nothing wrong with trusting experience in a big tournament. "Sometimes when you have a team with a lot of superstars, you forget the plan and you believe that the superstars can do it. They just have to turn up. Sometimes you may feel, as a coach, intimidated, telling Sir Vivian Richards or Virat Kohli, you know exactly what you expect of



them," Lara said in an interaction with PTI editors at its headquarters which was facilitated by Star Sports. Obviously when you have such great players, you want to stick to that experience because you feel that they can do it and there's nothing wrong with it," he said referring to Kohli and Rohit. Lara said given the big names that make the Indian squad, Dravid will have his hands full on the planning front. The legendary cricketer said that the team under

INDIA's T20 World Cup Squad
Batters: Rohit Sharma (captain), Virat Kohli, Yashasvi Jaiswal, Suryakumar Yadav.
Wicketkeepers: Rishabh Pant, Sanju Samson.
All-rounders: Hardik Pandya (vice-captain), Shivam Dube, Axar Patel, Ravindra Jadeja.
Bowlers: Yuzvendra Chahal, Kuldeep Yadav, Jasprit Bumrah, Arshdeep Singh, Mohammed Siraj.

Champions League: Marco Reus relishes return to
Wembley at end of his Dortmund career

New Delhi. Borussia Dortmund veteran Marco Reus said "nobody expected us to make it" after his team defeated Paris Saint-Germain on Tuesday to advance to the Champions League final at Wembley. Dortmund will return to the site of the 2013 Champions League final, where Jurgen Klopp's team lost to German rivals Bayern Munich. Dortmund won this year's semi-final second leg 1-0 at the Parc des Princes courtesy of a header by Mats Hummels, who also played for Dortmund in the 2013 final. BVB advanced 2-0 on aggregate, having won the first leg with the same result. The 34-year-old, who joined Dortmund in 2012 after spending a decade as a youth player, will leave after the season with two German Cups but neither Bundesliga nor Champions League titles. "Indescribable. After more than 10 years, I am in the final with Borussia again," said Reus, who came on as a substitute on Tuesday. "Ousmane (Dembele) and Achraf



(Hakimi) brought a tremendous amount of pace and we suffered a lot." "How we won the game, no one will ask tomorrow. Shots against the post won't matter tomorrow. What counts is that Borussia Dortmund is in the final again. Nobody expected this. It's just incredible." "Despite relying on some help from the goal frame, Dortmund's defensive duo of Hummels and Nico Schlotterbeck effectively contained PSG's star forward Kylian Mbappe. The

showdown at Wembley on June 1 will mark Dortmund's third appearance in a Champions League final, having clinched the title in 1997. Dortmund, currently positioned fifth in the Bundesliga with two matches remaining in what's been a turbulent season, secured a victory courtesy of a Mats Hummels header, despite PSG's unfortunate four encounters hit the woodwork. Their next challenge awaits against either 14-time champions Real Madrid or Bayern Munich, who will face off at the Bernabeu after a 2-2 draw in the first leg, in the June 1 finale at Wembley. A potential rematch looms with Bayern as Thomas Tuchel's squad prepares to face Real Madrid in the other semi-final clash this Wednesday. In the initial leg, Bayern and Real played to a 2-2 draw. Dortmund found themselves fortunate in both semi-final encounters, particularly with PSG striking the woodwork six times, four of which occurred on Tuesday.

CSK part of my life, really hard to leave early: Matheesha Pathirana

IPL 2024: Sri Lanka and CSK's young pace sensation Matheesha Pathirana spoke about his journey with the team in IPL 2024 as he had to leave the tournament midway due to a hamstring injury.

New Delhi Sri Lanka and CSK's young pace sensation Matheesha Pathirana's journey came to an abrupt end in the Indian Premier League 2024 as he got ruled out of the tournament due to a hamstring injury. In a video shared by CSK's social media handles, Pathirana bid an emotional good bye to the team as he reflected on the learnings from the season. Notably, the 21-year-old was the second-highest wicket-taker of the season for CSK with 13 wickets to his name from six innings at an average of 13 and an economy of 7.68. Reflecting on the season, the right-arm

speedster spoke about his learnings from the season, especially from the former captain MS Dhoni.

"It was really good season for me. I played six matches and got 13 wickets. I think I bowled really well and got one Man of the Match award also. I have to learn a lot of things from everywhere. So, in this season also, I learnt a lot of things from the coaching staff and not only coaching staff, the seniors like Mahi Bhai and all of them. So, I learnt a lot of things," said Pathirana in the special video shared by CSK. Pathirana picked up 3 for 31 in his second game against DC and followed it up with a match-winning spell of 4/28 in four overs against MI, which also fetched him the Player of the Match award. Further speaking about the franchise, the young seamer revealed that it was hard for him to leave this early as he considers the team to be a part of his life.

CSK was the part of my life now: Pathirana
"Yeah, really, it's hard to leave early from this kind of franchise because CSK was the part of my life now. I love this franchise but



anyway I have to leave this early. So, it's very hard but I hope to see you next year also but we'll see. I got a lot of love from my fans, CSK fans, so really I want to give that love back to them. Really, I love those kind of fans and keep supporting us and for me also. Thank you very much," he

added. Meanwhile, CSK finds itself in the third spot on the points table with six wins from 11 matches having 12 points to their name. They will next take on GT on 10th May and will be eager to win all of their remaining three fixtures for smooth qualification to the playoffs.

DC coach Pravin Amre lauds
'impressive' Abhishek Porel:
He is special

New Delhi. sDC youngster Abhishek Porel scored his maiden fifty in the Indian Premier League. Batting against RR on 7 May at the Arun Jaitley Stadium, Porel provided DC with a solid start. Porel hit 65 off just 36 balls and set up the base for DC's massive 221-run target. DC assistant coach Praveen Amre lauded the effort of the youngster after the game.

Known as a finisher in the domestic arena, Porel has been extensively used as a top-order batter by DC after his incredible cameo of 10-ball 32*. In that game, Porel came out to bat at No. 9 and took the attack to the PBKS bowlers after DC suffered a horrible batting failure. Since then, Porel has notched up some good performances and has scored 267 runs

from 12 matches at a strike-rate of 158. "The first game against Punjab he did not even know till the 18th over that he will be playing a game, and he delivered a 9-ball 30 which was awesome. You know it is always good to see an Indian batsman perform. We were impressed with him in the nets and he has shown that against the new ball he bats very well. So we thought to give him the opportunity to bat up the order. He played a special innings today," DC assistant coach Praveen Amre said after the match.

"Warner is still not a hundred per cent fit and that's why we sent Porel up the order," Amre further added.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

On the day, DC managed to keep away an incredible blitz from Sanju Samson and managed to win by 20 runs. The win kept DC alive in the Indian Premier League playoffs race. DC currently have 12 points from 12 matches and are in the 5th spot in the league table.

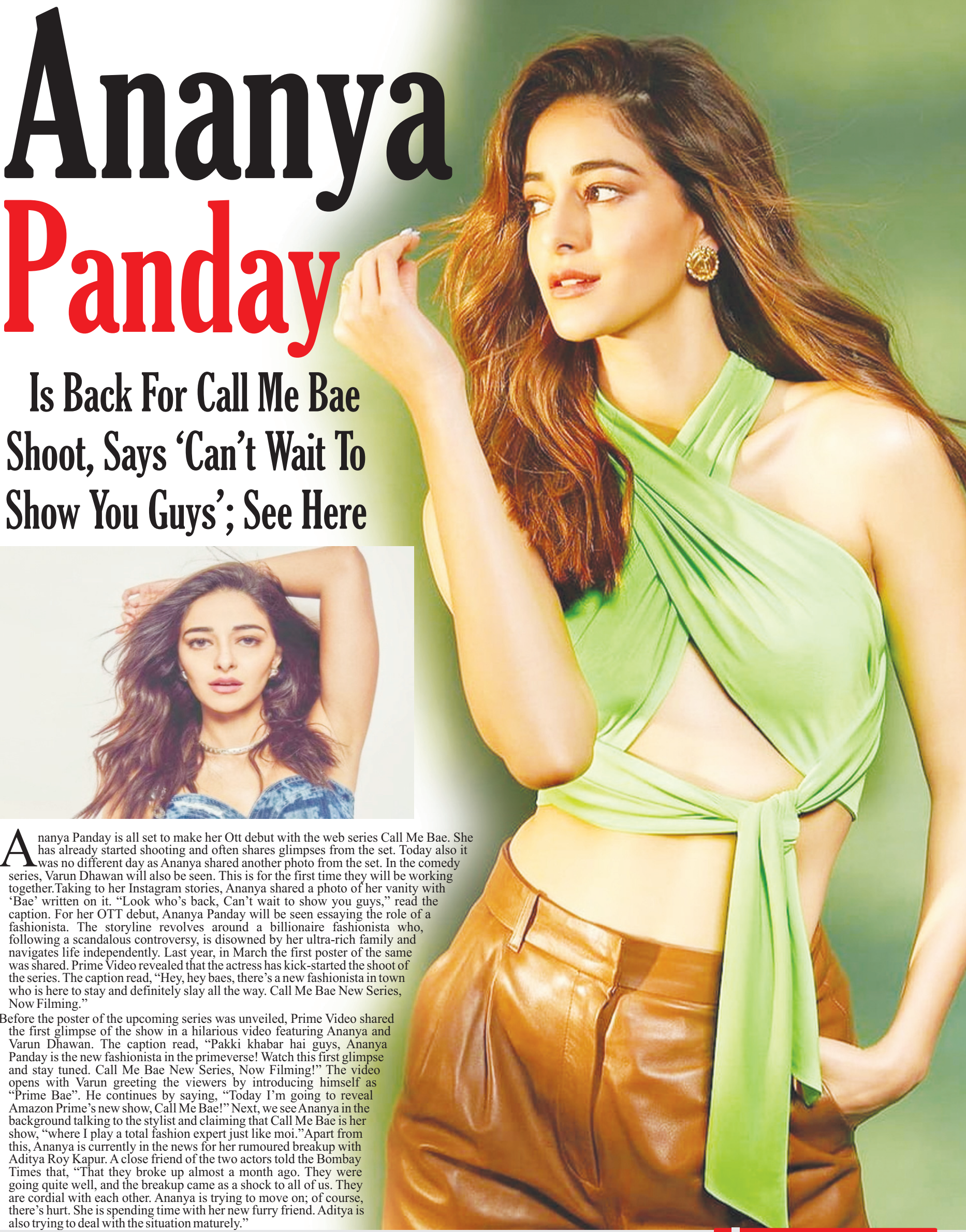
Ananya Panday

Is Back For Call Me Bae Shoot, Says 'Can't Wait To Show You Guys'; See Here



Ananya Panday is all set to make her Ott debut with the web series Call Me Bae. She has already started shooting and often shares glimpses from the set. Today also it was no different day as Ananya shared another photo from the set. In the comedy series, Varun Dhawan will also be seen. This is for the first time they will be working together. Taking to her Instagram stories, Ananya shared a photo of her vanity with 'Bae' written on it. "Look who's back, Can't wait to show you guys," read the caption. For her OTT debut, Ananya Panday will be seen essaying the role of a fashionista. The storyline revolves around a billionaire fashionista who, following a scandalous controversy, is disowned by her ultra-rich family and navigates life independently. Last year, in March the first poster of the same was shared. Prime Video revealed that the actress has kick-started the shoot of the series. The caption read, "Hey, hey baes, there's a new fashionista in town who is here to stay and definitely slay all the way. Call Me Bae New Series, Now Filming."

Before the poster of the upcoming series was unveiled, Prime Video shared the first glimpse of the show in a hilarious video featuring Ananya and Varun Dhawan. The caption read, "Pakki khabar hai guys, Ananya Panday is the new fashionista in the primeverse! Watch this first glimpse and stay tuned. Call Me Bae New Series, Now Filming!" The video opens with Varun greeting the viewers by introducing himself as "Prime Bae". He continues by saying, "Today I'm going to reveal Amazon Prime's new show, Call Me Bae!" Next, we see Ananya in the background talking to the stylist and claiming that Call Me Bae is her show, "where I play a total fashion expert just like moi." Apart from this, Ananya is currently in the news for her rumoured breakup with Aditya Roy Kapur. A close friend of the two actors told the Bombay Times that, "That they broke up almost a month ago. They were going quite well, and the breakup came as a shock to all of us. They are cordial with each other. Ananya is trying to move on; of course, there's hurt. She is spending time with her new furry friend. Aditya is also trying to deal with the situation maturely."



Ranveer Singh DELETES Wedding Pics With Deepika Padukone Ahead of Baby's Birth? Here's What We Know



Ranveer Singh and Deepika Padukone's wedding pics have disappeared from the Simmba actor's Instagram account. On Tuesday, fans noticed that Ranveer, who is expecting his first baby with Deepika, had taken down the couple's wedding pictures from his account. Fans of the couple, often called DeepVeer, would remember that they shared a series of heartwarming photos from their two weddings in November 2018. The couple held two ceremonies to honour Deepika's Konkani and Ranveer's Sindhi roots. Over five years on, the photos are no longer a part of his Instagram grid. It isn't clear if he's removed or archived the photos. Ranveer has 133 posts on his Instagram account, with the first post dating back to January 2023, when he was promoting a sportswear brand. Meanwhile, Deepika has retained the photos on her grid. Ranveer still has other recent photos with Deepika on his timeline.

The sudden social media move comes amid Ranveer and Deepika's babymoon trip. In a photo believed to be from a recent vacation, Deepika is seen on the stairs of an airplane. She's dressed in a comfortable brown overall, best suited for maternity wear, and sporting sunglasses. Ranveer, clad in casual all-white attire, follows closely behind her. A baby bump is also noticeable. On Reddit, fans took to the comments section and blessed the couple.

On the work front, Deepika is currently shooting for Singham Again. While on set, Deepika recently posed with the junior artists working with her. Her pregnancy glow caught everyone's attention in the photo. Deepika, who is expecting her first baby with Ranveer Singh in September 2024, is working through her pregnancy. In Singham Again, she will be playing the role of a ruthless police officer. Recently, a junior artist who worked with Deepika dropped a selfie on Instagram with the actress. She also shared a sketch she made for Deepika and a bouquet of flowers with a note that read, "To our hero, Lady Singham". Ranveer will also be seen in Singham Again, reprising his role as Simmba. The actor is also expected to start filming for Don 3 this year.

When Amitabh Bachchan Pushed Shatrughan Sinha's Car



Shatrughan Sinha was considered a bankable action hero from the early 80s to mid 90s. He was miles ahead of Amitabh Bachchan in terms of stardom and fame during his peak years. However, this never created a rift between these superstars as they still share an unbroken friendship bond. The duo worked together in numerous films like Kaala Patthar, Dostana, Naseeb, Shaan, Raaste Ka Patthar and others. Amitabh Bachchan continued his journey in the entertainment industry while Shatrughan Sinha decided to stay away from films to join politics. Once, Amitabh Bachchan and Shatrughan Sinha appeared on a popular TV chat show. They shared a few stories of their friendship on the show. Among many, the one which attracted the attention of the viewers was one in which Amitabh Bachchan pushed the car of Shatrughan Sinha. The duo participated in Sajid Khan's chat show where they recalled funny incidents of their friendship and life. Big B said that Shatrughan Sinha used to have a car in which he along with others used to go watch movies. The Deewar actor also made fun of Shatrughan Sinha's car. Shahenshah of Bollywood, Amitabh Bachchan further said that once all of them were going to watch a movie by sitting in Shatrughan Sinha's car, but his 'Khatara' car broke down before reaching halfway. Even at that time, the actor who made everyone 'Silence' enjoyed the same status as his friends. Big B had said that the actor would sit in the car while everyone else had to push the car. Everyone present there burst out laughing after hearing these secrets of their best friend. Whereas Shatrughan Sinha himself turned red with embarrassment while laughing.

Kareena Kapoor

Turns Poo From K3G For Ibrahim Ali Khan, Says 'Tumhara Koi Haq Nahi Ki Tum Itne Handsome Lago'



Ibrahim Ali Khan has been setting the internet on fire ever since he made his debut on Instagram. Recently, Ibrahim shared photos with F1 racer Charles Leclerc at the Miami Grand Prix which went viral on social media. The Instagram post also caught the attention of Kareena Kapoor Khan and her comment on the post has also gone viral. Kareena took to the comments section and wrote, "Tumhara koi haq nahin banta ke tum itne handsome lago." Kareena's fans were happy to see her recreate the iconic dialogue of her character Poo from Kabhi Khushi Kabhie Gham. Her comment went viral on Reddit. Fans flocked to the microblogging site to express their appreciation. One person wrote, "This is really cute." Another added, "Love their family dynamics!" One fan commented, "Aww...I find it cute." Another added, "Step-mom love. It's actually nice she has such a good relationship." Ibrahim Ali Khan made his Instagram debut on April 30 and dropped stunning photos for a new campaign. Ibrahim's debut featured the to-be actor surrounded by his grandfather and father's legacy, dressed in royal tones.

Even then, Kareena's comment went viral. Kareena dropped a comment under his photo and wrote, "Welcome to @pumaindia Iggy?? let's shoot together soon? @iakpataudi. Ibrahim's Instagram debut came ahead of his much-awaited Bollywood debut and generated quite a buzz among his fans. He will soon enter Bollywood with Sarzameen, a film from Dharma Productions that also features Kajol and Prithviraj Sukumaran. Kayoze Irani, the son of Boman Irani, is the director of the movie.

In addition, he is working on a romantic comedy called Naadaniyaan, in which Khushi Kapoor, the daughter of Boney Kapoor and Sridevi, will also be starring. The film promises to be a delightful treat for audiences. With the backing of Dharma Productions, known for its impeccable storytelling and entertaining narratives, anticipation is soaring high for this project. A source had told Pinkvilla earlier, "It's one of those romantic comedies that Hindi Cinema is known for. However, Karan and co. feel that the palette of narrative fits better for the OTT than the big screen. It's planned and will be executed as an OTT original. Ibrahim Ali Khan has also been in the news for the past few months due to his relationship with Palak Tiwari, the daughter of television actress Shweta Tiwari. They are frequently seen visiting their friends' parties and going on movie outings. The alleged couple has not yet disclosed their relationship.

